वर्ष-10 अंक-251 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, बुधवार 18 दिसम्बर 2024
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

नगर संस्करण
10
आधुनिक समाचार नेटवर्क
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
Download From Google Play
Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

संदीप की जमानत का विरोध, 10 दिन प्रदर्शन करेंगे डॉक्टर

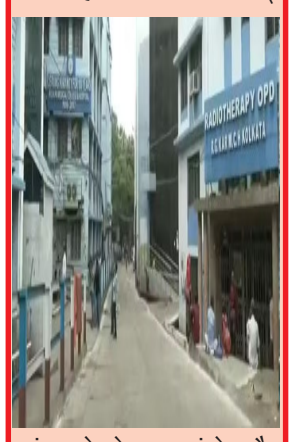

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आरजी कर अस्पताल मामले में पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और पूर्व एसएचओ अभिजीत मंडल को जमानत मिलने का डॉक्टरों ने विरोध जताया है। डॉक्टर्स में सीबीआई

जांच को लेकर असंतोष है। उन्होंने 10 दिनों तक प्रदर्शन करने का फैसला किया है। आरजी कर अस्पताल दुष्कर्म और हत्या मामले की सीबीआई जांच को लेकर प. बंगाल ज्वाइंट प्लेटफॉर्म ऑफ डॉक्टर्स मंगलवार से कोलकाता के मध्य में धरना प्रदर्शन शुरू करेगा। गौरतलब है कि शुक्रवार को पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और टाला थाना के पूर्व एसएचओ अभिजीत मंडल को जमानत मिलने के बाद डॉक्टरों में खासी नाराजगी है। एक पदाधिकारी ने कहा कि पांच संघों के प्रमुख संगठन प. बंगाल ज्वाइंट प्लेटफॉर्म ऑफ डॉक्टर्स (डब्ल्यूबीजेपीडी) का प्रदर्शन 26 दिसंबर तक डोरीना क्रॉसिंग पर होगा।

पहले नलों से आता था साफ पानी, अब हो गए हैं मोहताज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित बलबीर नगर में अमर उजाला का संवाद कार्यक्रम हुआ। जहां लोग सबसे ज्यादा पानी की समस्या से परेशान हैं। विधायक, निगम पार्षद या संबंधित विभाग के पदाधिकारी चाहें तो इनसे छुटकारा दिला सकते हैं। शिकायत करने पर समय रहते कार्रवाई तो दूर की बात अधिकारियों की ओर से कोई ठोस जवाब भी नहीं मिलता है। पूर्वी दिल्ली के बलबीर नगर के लोग दूषित पानी से परेशान हैं। अमर उजाला संवाद में लोगों ने कहा कि नलों में साफ पानी नहीं आता है। आए दिन कभी भूरा, कभी लाल तो कभी हरे रंग का पानी देखने को मिलता है। साफ पानी के वह मोहताज हो गए हैं। बलबीर नगर एक्सटेंशन व ओल्ड बलबीर नगर के लोगों ने बताया कि इलाके में कई और समस्याएं हैं। विधायक, निगम पार्षद या संबंधित विभाग के पदाधिकारी चाहें तो इनसे छुटकारा दिला सकते हैं।

मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह ने की बिहार के दो किशोरों की हत्या की निंदा, 10 लाख रुपये के मुआवजे का एलान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मणिपुर के काकचिंग जिले में बिहार के गोपालगंज जिले के निवासी सुनालाल कुमार और दशरथ कुमार की काकचिंग-सुनालाल कुमार और दशरथ कुमार की काकचिंग-वाबागई रोड पर केराक में पंचायत कार्यालय के पास गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। दोनों किशोर निर्माण मजदूर

वाबागई रोड पर केराक में पंचायत कार्यालय के पास गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। सीएम सीएम एन बीरेन सिंह ने हत्या की निंदा की है। मणिपुर के काकचिंग जिले में हुई बिहार के दो किशोरों की हत्या की सीएम एन बीरेन सिंह ने निंदा की है। उन्होंने दोनों मृतकों के परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा देने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को पकड़ने और मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। मणिपुर के काकचिंग जिले में बिहार के गोपालगंज जिले के निवासी के रूप में काम कर रहे थे और मेटेई बहुल काकचिंग में किराये के मकान में रहते थे।इसे लेकर एक्स पर पोस्ट में सीएम एन बीरेन सिंह ने लिखा कि मैं मणिपुर के काकचिंग जिले में बिहार के युवा भाइयों सुनालाल कुमार (18) और दशरथ कुमार (17) की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। यह कृत्य हमारे मूल्यों पर सीधा हमला है और मेरी गहरी संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन्होंने लिखा कि हम इस संभावना को नजर अंदाज़ नहीं कर सकते कि यह भयानक अपराध हमारे राज्य को अस्थिर करने और इसे अराजकता की ओर धकेलने की एक बड़ी साजिश है। हमें इन विनाशकारी ताकतों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे भय और असुरक्षा पैदा करने में सफल न हों। सीएम ने कहा कि प्रत्येक मृतक के परिवार को ?10 लाख का मुआवजा दिया जाएगा। जिम्मेदार लोगों की पहचान करने, उन्हें पकड़ने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। यदि जरूरी हुआ तो निष्पक्ष और गहन जांच के लिए मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (र्ड्ढं) को सौंप दिया जाएगा। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान के दौरान बड़ी संख्या में हथियारों का जखीरा और गोला-बारूद जब्त किया। पुलिस ने बताया कि केंद्र और राज्य के सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने एल जंगनोमफाई और फ्रीडम हिल में तलाशी अभियान चलाया। यहां से 7.62 एमएम राइफल, एक नौ एमएम की पिस्टल, एक बैरल बंदूक, एक डबल बैरल गन, एक पोंपी गन, चार हैंड ग्रेनेड और चार स्टारडाइन विस्फोटक और चार इलेक्ट्रोनिक डेटोनेटर जब्त किए गए। जब्त किए गए हथियारों और गोला बारूद को कांगपोकपी पुलिस को आगे की कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है।

पंडित नेहरू के जो पत्र सोनिया गांधी ने लिए थे, उन्हें वापस करें', पीएम मेमोरियल ने राहुल को लिखी चिट्ठी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस पत्र में कादरी ने राहुल गांधी से अपील की कि वे सोनिया गांधी को दिए गए पत्रों, फोटो प्रति और डिजिटल प्रति को वापस करें। इससे पहले संग्रहालय द्वारा सितंबर में भी सोनिया गांधी को दिए गए पत्रों, फोटो प्रति और डिजिटल प्रति को वापस करें। इससे पहले संग्रहालय द्वारा सितंबर में भी सोनिया गांधी को भी पत्र लिखा गया था। पंडित नेहरू के ये निजी पत्र बेहद ऐतिहासिक माने जाते हैं। पहले

सोनिया गांधी को भी पत्र लिखा गया था। प्रधानमंत्री संग्रहालय और लाइब्रेरी ने मांग की है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के निजी पत्र, जो सोनिया गांधी ने लिए थे, उन्हें वापस किया जाए। संग्रहालय ने इसे लेकर राहुल गांधी को चिट्ठी लिखी है। ये पत्र साल 2008 में यूपीए सरकार के कार्यकाल में सोनिया गांधी ने मंगवाए थे। प्रधानमंत्री संग्रहालय के सदस्य रिजवान कादरी की तरफ से राहुल गांधी को 10 दिसंबर को यह पत्र लिखा गया। इस पत्र में कादरी ने राहुल गांधी से अपील की कि वे सोनिया गांधी ये पत्र जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल के पास थे, जिन्हें साल 1971 में नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी को दिए गए। अब इसी नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी को प्रधानमंत्री मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के रूप में जाना जाता है। जिन पत्रों की मांग की गई है, उनमें पंडित नेहरू और एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजय लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम और गोविंद वल्लभ पंत आदि महान विभूतियों के बीच हुई बातचीत पर आधारित हैं।

आप ने चुनाव में उतार दी पूरी सेना, निशाना पूर्वांचली वोटरों पर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बड़ी तैयारी पूर्वांचल से ताल्लुक रखने वाले मतदाताओं के सहारे जंग जीतने की है। जाट समुदाय के मतदाताओं को भी इसमें मददगार बनाया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने सभी 70 सियासी सूरमाओं को दिल्ली के सत्ता संग्राम में उतार दिया है। बड़ी तैयारी पूर्वांचल से ताल्लुक रखने वाले मतदाताओं के सहारे जंग जीतने की है। जाट समुदाय के मतदाताओं को भी इसमें मददगार बनाया है। आप की सियासी सेना के 19 सेनानी इन्हीं दो तबकों से हैं। 10 महिला सेनानी आधी आबादी को साधने के लिए उतारी गई हैं। पार्टी ने पांच मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिम प्रत्याशी ही उतारे हैं। असल में दिल्ली में बड़ी संख्या में पूर्वांचली मतदाता हैं। प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से करीब 40 फीसदी वोट शेयर इसी समूह का है।2013 में अपना सियासी सफर शुरू करने के साथ ही आप ने इनको तवज्जो दी थी। 2013, 2015 व 2020 के चुनावों में आप के दस से ज्यादा उम्मीदवार पूर्वांचल से ताल्लुक रखने वाले थे। इस बार भी पार्टी ने दांव मतदाताओं के इसी तबके पर लगाया है। 70 में से 12 प्रत्याशी पूर्वांचल से संबंध रखते हैं। वहीं, स्थानीय निवासियों व दिल्ली देहात की सीटों पर असरदार जाट समुदाय को भी आप ने अपनी लिस्ट में तवज्जो दी है। सात उम्मीदवार जाट समुदाय से हैं। दूसरी तरफ आधी आबादी को साधने के लिए आप ने इस बार करीब 15 फीसदी महिला प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। इनकी संख्या दस है। इसमें से सात उम्मीदवारों का नाम चौथी लिस्ट में शामिल है। दूसरी तरफ दिल्ली की मुस्लिम बहुल पांच सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। दो महीने प्रचार का मिलेगा समय : विधान सभा चुनावों के एलान से पहले पार्टी ने अपने सभी सियासी मोहरों को मैदान में उतार दिया है। आप रणनीतिकारों का कहना है कि अगर तयशुदा समय फरवरी में चुनाव होते हैं तो आप उम्मीदवारों को अपने प्रचार अभियान को धार देने में करीब दो महीने का वक्त मिल जाएगा। इस लिहाज से पार्टी विपक्षी भाजपा व कांग्रेस से अभी तक आगे रही है। दो बार पांच साल और एक बार 49 दिन के लिए सत्ता पर काबिज आप सत्ता विरोधी लहर को बेअसर करने के लिए बड़े बदलाव भी किए हैं।चौथी बार दिल्ली के सत्ता संग्राम में ताल ठोंक रही पार्टी के रणनीतिकारों ने अपने 20 विधायकों का टिकट काट दिया है। वहीं, दो की सीट बदली गई है। इसके अलावा चार ने पार्टी बदल ली है। बाकी सीटों पर पुराने चेहरों पर भरोसा जताया गया है। पहली लिस्ट आने के साथ ही आप ने स्पष्ट कर दिया था कि उन्हीं सीटों से टिकट काटे गए हैं, जहां के विधायकों को फीडबैक खराब था। ग्राउंड लेवल के सघन सर्वे के आधार पर इसकी पहचान की गई।

मोदी बोले- विकसित भारत का सपना साकार करने में प्रेरक; शाह बोले- आधुनिक भारत की रखी आधारशिला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रविवार को देशभर में पहले उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 74वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर पीएम मोदी ने लौह पुरुष

को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि लौह पुरुष के कार्य विकसित भारत के सपने को साकार करने में प्रेरक सिद्ध होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश के पहले उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 74वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि लौह पुरुष के कार्य विकसित भारत के सपने को साकार करने में प्रेरक सिद्ध होंगे। सोशल मीडिया में पीएम ने लिखा, देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी पुण्यतिथि पर शत-शत नमन। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए देशवासियों की प्रेरणाशक्ति बना रहेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्र निर्माण में पटेल की भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्हें नमन किया। सोशल मीडिया में शाह ने लिखा, सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों का एकीकरण कर आधुनिक भारत के निर्माण की आधारशिला रखी। राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति उनके समर्पण ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत की मजबूत नींव रखी। सरदार साहब का विराट व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण का संकल्प, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वालों के लिए अनंतकाल तक ध्रुव तारे के समान मार्गदर्शक बना रहेगा।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक पोस्ट में पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, देश उनके दृष्टिकोण और योगदान को कभी नहीं भूलेगा। वहीं, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा कहा कि वह एक महान स्वतंत्रता सेनानी, आधुनिक भारत के निर्माता और देश की एकता और अखंडता के प्रतीक थे।

विकसित भारत के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण जरूरी रक्षा मंत्री ने स्वामी दयानंद सरस्वती को किया याद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत की आजादी का अमृतकाल चल रहा है। यह संयोग है कि आर्य समाज के

संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। स्वामीजी ने एक जागरूक सांस्कृतिक भारत की कल्पना की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हर राजनीतिक और राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक सामाजिक और सांस्कृतिक धरातल तैयार करना पड़ता है। इसलिए अगर हमें भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल करना है तो हमें देश में फिर से सांस्कृतिक पुनर्जागरण का वातावरण तैयार करना होगा।रक्षा मंत्री रविवार को यहां भारत मंडपम में आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत की आजादी का अमृतकाल चल रहा है। यह संयोग है कि आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। जिस तरह स्वामीजी ने एक जागरूक सांस्कृतिक भारत की कल्पना की थी, उसी तरह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखा है। हमारा मानना है इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें सांस्कृतिक जागरूकता का माहौल बनाने की जरूरत है।रक्षा मंत्री ने कहा कि गुजरात की धरती पर जब स्वामीजी का जन्म हुआ था तब देश अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। अंग्रेजी शासक भारत और भारतीय संस्कृति को दोयम दर्जे का बता कर उसका सार्वजनिक रूप से उपहास उड़ाते थे। स्वामी दयानंद सरस्वती ने भारत की सोई चेतना को जगाने का काम किया।

1971 के भारत-पाक युद्ध के नायकों को किया नमन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने भी दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोलकाता स्थित भारतीय सेना की पूर्वी कमान फोर्ट विलियम में विजय दिवस समारोह में भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों ने विजय

स्मारक पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में बांग्लादेश के सैनिक भी शामिल हुए। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शहीद सैनिकों को नमन किया। 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत का प्रतीक विजय दिवस समारोह आज मनाया जा रहा है। सोमवार को कोलकाता स्थित भारतीय सेना की पूर्वी कमान फोर्ट विलियम में विजय दिवस समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों ने विजय स्मारक पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में बांग्लादेश के सैनिक भी शामिल हुए। वहीं देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शहीद सैनिकों को नमन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर लिखा कि विजय दिवस पर मैं उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं जिन्होंने 1971 के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देते हुए भारत को विजय दिलाई। राष्ट्र हमारे वीरों के सर्वोच्च बलिदान को याद करता है। उनकी कहानियां हर भारतीय को प्रेरित करती हैं और राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बनी रहेंगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विजय दिवस पर भारत की जीत के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने देश की रक्षा की। उन्होंने कहा कि यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से अंतर्निहित रहेगा।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा कि विजय दिवस के विशेष अवसर पर राष्ट्र भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी और बलिदान को सलाम करता है। उनके अटूट साहस और देशभक्ति ने सुनिश्चित किया कि हमारा देश सुरक्षित रहे। भारत उनके बलिदान और सेवा को कभी नहीं भूलेगा। भारतीय वायु सेना भी विजय दिवस सैनिकों के बलिदान को नमन किया। वायु सेना ने एक्स पर लिखा कि विजय दिवसः 1971 का भारत-पाक युद्ध 16 दिसंबर 1971 को लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाज़ी द्वारा बिना शर्त आत्मसमर्पण के साथ समाप्त हुआ। इसने एक स्वतंत्र बांग्लादेश को जन्म दिया। यह ऐतिहासिक पल एक समन्वित सैन्य प्रयास के माध्यम से हासिल किया गया था। इसमें भारतीय वायु सेना (ढ्ढं) ने 13-दिवसीय संघर्ष में त्वरित और निर्णायक भूमिका निभाई थी। इसे लाइटनिंग वॉर भी कहा जाता है।ट्वीट में लिखा गया कि वायु सेना ने एक गहन और घातक हवाई अभियान चलाया था। लड़ाकू विमानों ने पश्चिमी क्षेत्र में 2400 से अधिक आक्रामक मिशन और पूर्वी क्षेत्र में 2000 से अधिक उड़ानें भरीं थीं। इन अभियानों ने दोनों क्षेत्रों में हवा पर नियंत्रण किया, जिससे विरोधी की प्रभावी ढंग से जवाबी हमला करने की क्षमता कम हो गई। 1971 का युद्ध भारतीय सैन्य इतिहास में एक मील का पत्थर था, जिसने युद्ध के मैदान पर जीत के लिए वायु सेना की सटीकता, शक्ति और क्षमता को प्रदर्शित किया। इस अद्वितीय जीत को हासिल करने में वायु सेना कर भूमिका मौजूदा समय में हवाई श्रेष्ठता के महत्व का प्रमाण है।

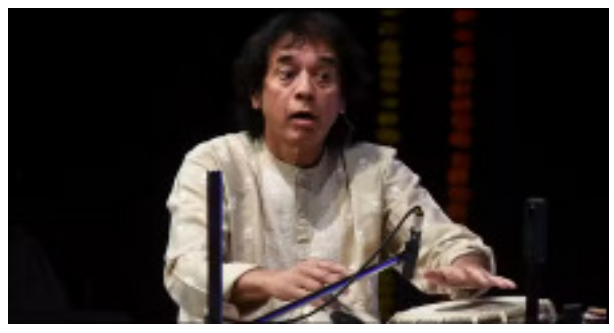

अमर रहेगा उस्ताद जाकिर हुसैन का संगीत', मशहूर तबला वादक के निधन के बाद शोक की लहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उस्ताद अल्ला रक्खा खां के पुत्र पद्म विभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन का सोमवार सुबह अमेरिका में निधन हो गया। उस्ताद जाकिर हुसैन को पिछले सप्ताह अमेरिका के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। उनके निधन के बाद पूरे देश और दुनिया में शोक की लहर है। मशहूर तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन के बाद पूरे देश और दुनिया में शोक की लहर है। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने उस्ताद जाकिर हुसैन को श्रद्धांजलि दी है। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि उस्ताद

जाकिर हुसैन का संगीत अमर रहेगा। देश ने अपने सबसे प्रिय और प्रतिष्ठित सांस्कृतिक प्रतीक को खो दिया है। राज्यपाल ने उनको महान उस्ताद अल्ला रक्खा का समर्पित शिष्य और पुत्र बताया। उन्होंने तबले को वैश्विक प्रसिद्धि दिलाई। राज्यपाल ने कहा कि असाधारण प्रदर्शन ने उन्हें शास्त्रीय शुद्धतावादियों और व्यापक दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया। उन्होंने अपने गहन, चंचल और आकर्षक प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध किया। राज्यपाल राधाकृष्णन ने कहा कि उस्ताद जाकिर हुसैन को संगीतकारों की तीन पीढ़ियों के साथ प्रदर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह एक अमिट विरासत है। उनके जाने से संगीत की दुनिया में एक अद्वितीय शून्य पैदा हो गया है। उस्ताद ज़ाकिर हुसैन का संगीत अमर रहेगा। जो संगीतकारों की पीढ़ियों को कुछ नया करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने कहा कि प्रसिद्ध तबला वादक पद्म भूषण उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन की खबर दिल दहलाने वाली है। जाकिर हुसैन भारत के सबसे मशहूर तबला वादक के रूप में जाने जाते थे। वे एक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने तबले को विश्व पटल पर स्थापित किया। कला जगत के एक दिग्गज का आज निधन हो गया। राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने दिग्गज तबला वादक को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि 'तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के बिना संगीत की दुनिया अधूरी रह जाएगी।

एनएमसी ने जारी किया आदेश, अब अतिरिक्त शिक्षा लेने पर डॉक्टरों को लेना होगा एक्यू प्रमाणपत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एनएमसी के मुताबिक, अक्सर एक डॉक्टर अपने क्लिनिक या अस्पताल में नाम के साथ कई अलग अलग तरह की डिग्री और डिप्लोमा लिखते हैं। इनमें से कई नाम ऐसे भी होते हैं जिनके बारे में न कभी सुना गया और न कभी उसकी मान्यता के बारे में कोई जानकारी है।नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने सभी पंजीकृत डॉक्टरों को जारी आदेश में कहा है कि सर्जरी, बाल चिकित्सा, स्त्री रोग या फिर त्वचा विज्ञान जैसे विषयों पर आधारित

कोई खास डिप्लोमा करते हैं, जिसके लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण और परीक्षाओं की आवश्यकता होती है। इसे पूरा करने के बाद एक्यू प्रमाण पत्र लेना सभी के लिए अनिवार्य है। इसके लिए राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान शिक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा भी दी है।एनएमसी के मुताबिक, अक्सर एक डॉक्टर अपने क्लिनिक या अस्पताल में नाम के साथ कई अलग अलग तरह की डिग्री और डिप्लोमा लिखते हैं। इनमें से कई नाम ऐसे भी होते हैं जिनके बारे में न कभी सुना गया और न कभी उसकी मान्यता के बारे में कोई जानकारी है।

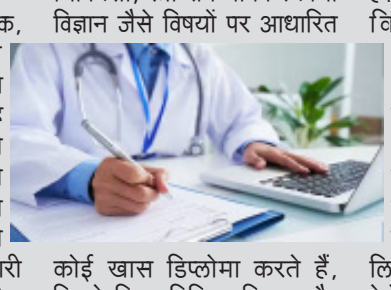

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com आधुनिक समाचार

दिव्यांग बच्चों को डीएम ने वितरित किए उपकरण, आगे पढ़ने के लिए किया प्रोत्साहित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत सोमवार को राही बीआरसी के परिसर में उपकरणों का वितरण

किया गया। दिव्यांग बच्चों को जरुरी उपकरण जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने वितरित करते हुए बच्चों को आगे पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। विभिन्न दिव्यांगता से पीड़ित 199 बच्चों को विभिन्न जरूरी उपकरण भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के सहयोग से प्रदान किए गए। बीआरसी राही में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों और अभिभावकों से बात करते हुए जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने आगे पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि सरकार की तरफ से दिव्यांग बच्चों के लिए बेसिक, माध्यमिक और स्नातक स्तर पर भी पढ़ाई की व्यवस्था की गई है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण भी दिया जा रहा है। सरकार दिव्यांग बच्चों का जीवनस्तर सुधारने के लिए हर स्तर पर प्रयास कर रही है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा मुख्य धारा में समाहित करने के उद्देश्य से सरकार की ओर से अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। सभी अभिभावकों से मेरी अपील है कि योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त कर लाभ उठाएं और दिव्यांग बच्चों को आगे बढ़ाएं। उन्होंने बताया कि ऐसे दिव्यांग बच्चे जो खुद विद्यालय आ-जा नहीं सकते उन्हें विद्यालय लाने के लिए अभिभावकों को एस्कॉर्ट अलाउंस दिया जा रहा है। दिव्यांग बालिकाओं को नियमित रूप से विद्यालय लाने व सशक्त बनाने के लिए स्टाइपेंड दिया जा रहा है। सरकार की तरफ से दी जा रही इस सुविधा का मुख्य उद्देश्य ऐसे बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे किसी से कम नहीं हैं, जरूरत उनकी प्रतिभा को निखारने की है। आज दिव्यांगजन हर क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। आज बच्चों को दिए गए इन उपकरणों से दिव्यांग बच्चों को दैनिक गतिविधियों और शिक्षा में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। इन उपकरणों की सहायता से बच्चों के जीवन में बदलाव आएगा। खण्ड शिक्षा अधिकारी बृजलाल ने बताया कि आज 8 ब्लॉक व नगर क्षेत्र में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों को उपकरणों का वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि 25 ट्राई साइकिल, 56 व्हीलचेयर, 37 सीपी चेयर, 4 बैसाखी, 24 एल्बो क्रेच, 5 टीएलएम किट, 9 ब्रेल किट, 3 सुगम केन, 36 हियरिंग एट, 43 कैलीपर दिव्यांग बच्चों को वितरित गए हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में जनपद के विभिन्न विकास खण्डों से आये मूक बधिर, दृष्टिबाधित, मानसिक विकलांग, अस्थि विकलांग तथा बहुविकलांगता से ग्रसित बच्चों को उपकरण वितरित किए गए। इस मौके डीसी सत्यम वर्मा, शिक्षक प्रतिनिधि राजेश शुक्ला, गंगा प्रसाद, गजेंद्र सिंह, दिलीप गुप्ता, निरुपमा बाजपेई, रेनू शुक्ला, सुनीता सिंह, विशेष शिक्षकों नरेश सक्सेना, मल्लिका सक्सेना राजेश शुक्ला अभय प्रकाश श्रीवास्तव, शैलेश मौर्या, बृजेश यादव, जितेंद्र कुमार, शिवनंदन, मधु सिंह, राकेश सिंह, जया शुक्ला, अनूप , विजय, प्रेम बहादुर, चन्द्र प्रकाश, सुमन देवी, राजेश, अजय कुमार, जितेंद्र आदि का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा।

बेरोजगारो को शिक्षित कर बनायेगे आत्मर्निभर -अरविंद राय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। दिनांक 16.12.2024 को भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतगर्त प्रयागराज स्थित एम एस एम ई - विकास कार्यालय, प्रयागराज द्वारा दो उद्यमिता सह कौशल विकास कार्यक्रम प्रथम 'एयरकंडीशनर एवं रेफ्रिजरेशन उपकरणों की मरम्मत **(Repairing of Air Conditioning and Refrigeration)** तथा दूसरा 'घरेलू उपकरणों की मरम्मत (Repairing of Home Appliances) पर आधारित जो कि दिनांक 16 दिसम्बर 2024 से 27 जनवरी, 2025 तक आयोजन किया जा रहा है, का उद्घघाटन नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र नैनी, प्रयागराज में हुआ घ् इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार युवक एवं युवतियों को प्रशिक्षण देकर उद्यमिता विकास की दिशा में प्रेरित करना है घ् इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यूपीएसआइए, प्रयागराज के अध्यक्ष श्री अरविंद राय थे घ् एम एस एम ई - विकास कार्यालय, प्रयागराज के सहायक निदेशक श्री वैभव खरे तथा एस के गंगल ने इस कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला इस अवसर पर निदेशक , नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र नैनी, प्रयागराज प्रदीप कुमार झा ने बताया इस प्रशिक्षण से स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे एवं नैनी को स्टार्टअप हब बनाने में सहायक होगा। इस मौके पर मोहम्मद कौसर , श्री रोहित शुक्ला, फेबियन जोसेफ दास, अंकित यादव , दीपक तिवारी तथा अन्य प्रतिभागी एवं नैनी इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग सेंटर व भारत सरकार के अधिकारी उपस्थित रहे ।

ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्टेशनरी वितरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। जेजे कॉलोनी सेक्टर 5

हरौला ऋषि की पाठशाला मे आज बड़े भाई नीरज राठौर के सहयोग से नन्हे मुन्ने जरूरतमंद बच्चों को सोमवार को स्टेशनरी वितरण की गई जैसेः कॉपी, रबड़, पेंसिल, कटर, स्टेशनरी आदि संस्थापक भारती नेगी ने बताया कि उन्होंने नन्हे मुन्ने पांच बच्चों के साथ ऋषि की पाठशाला शुरू की थी। और आज उनके संस्था के साथ 50 से 60 बच्चे जुड़े हुए हैं जिसमें इन बच्चों के लिए खास तौर पर पढ़ाई के साथ-साथ कई तरह की एक्टिविटी कराई जा रही है डांस, पेंटिंग, मेहंदी, लर्निंग, आदि।

फ़िल्म अभिनेता उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर पहुंचे जी. एल. बजाज कॉलेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा फिल्म अभिनेता उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर अपनी आने वाली फिल्म ठवनवासठ का प्रमोशन करने के लिए जीएल बजाज कॉलेज, ग्रेटर नोएडा पहुंचे। कार्यक्रम में उनकी टीम ने फिल्म की कहानी के बारे में बताया। फ़िल्म के गानों ठलागा तुमसे मन,ठ ठयादों के झरोखे से,ठ और ठगीली माचिसठ पर कलाकारों ने छात्रों के साथ मिलकर खूब डांस किया कलाकारों ने छात्रों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए उनकी पिछली फिल्मों को मिले प्यार का धन्यवाद किया और आग्रह किया कि वे उनकी इस नई फिल्म को भी उतना ही प्यार दें। वनवास की कहानी एक दंपत्ति और उनके परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें जनरेशन गैप पर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया गया है। इस फिल्म में नाना पाटेकर और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म का निर्देशन अनिल शर्मा ने किया है, और यह अनिल शर्मा फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई गई है। फिल्म का टाइटल सॉन्ग ठबंधनठ जिसे श्रेया घोषाल और सोनू निगम ने गाया है, पहले ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो चुका है। कॉलेज के सीईओ कार्तिकेय अग्रवाल ने उत्कर्ष और सिमरत का स्वागत पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंटकर किया और उनकी फिल्म के लिए शुभकामनाएं दीं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी यह कार्यक्रम न केवल छात्रों के लिए मनोरंजक था बल्कि उन्हें फिल्म निर्माण और उसके संदेश के बारे में जानने का भी अवसर मिला।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

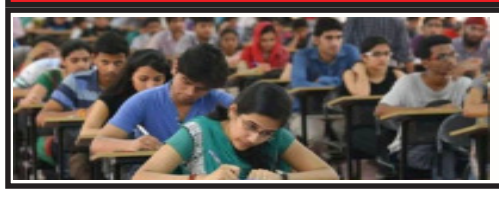

प्रदेश आस/पास

भारत

रायबरेली

वन स्टाप सेन्टर का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली राजकुमार द्वारा वन स्टाप सेन्टर में महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं से अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत

सिंह के दिशा-निर्देशन में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनुपम शौर्य द्वारा वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण किया गया। अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा वन स्टाप सेन्टर, रायबरेली के सम्बन्ध में उपस्थित केस वर्कर अर्चना सिंहा से जानकारी ली गयी। केस वर्कर अर्चना सिंहा कराया गया। सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि यदि किसी प्रकार की समस्या के सम्बन्ध में प्रार्थनापत्र प्राप्त हो तो अविलम्ब उसे कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रेषित करें। इसके अतिरिक्त दौरान निरीक्षण जिला प्रोबेशन अधिकारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर साधना श्रीवास्तव व परा विधिक स्वयंसेवक पवन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे ।

अपर जिलाधिकारी ने किया रैन बसेरा का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह द्वारा मध्य रात्रि रैन बसेरों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अपर जिलाधिकारी द्वारा सर्दी के बढ़ते मौसम के मद्देनजर, जनपद के विभिन्न रैन बसेरो का मध्य रात्रि औचक निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं को देखा गया तथा उपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि रैन बसेरे में आने वाले लोगो को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े तथा उनसे कोई शुल्क आदि न लिया जाए, इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित कराया जाए कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए, यदि कही कोई ऐसा दिखे तो उसको पास के रैन बसेरा में शिफ्ट कराया जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि रैन बसेरे में अतिरिक्त कंबल तथा अलाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

लोकतंत्र का गला घोंट गिराई गई थी कल्याण सिंह सरकार - डीपी यादव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। इस देश में लोकतंत्र पर कई बार कड़े प्रहार हुए है त् देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकतंत्र पर प्रहार का जिक्र लोकसभा में कल किया था वह संभल से ही जुड़ा है तथा लोकसभा

के मेरे चुनाव लड़ने के दौरान की घटना है। जब कल्याण सिंह मुख्यमंत्री थे तथा एक राज्यपाल ने लोकतंत्र का गला घोंटते हुए रातों-रात कल्याण सिंह की सरकार गिरा कर रात में ही जगदम्बिका पाल को मुख्यमंत्री की शपथ दिलाई थी बाद में उच्च न्यायालय द्वारा मामले में हस्तक्षेप कर विधानसभा में बहुमत साबित करने का आदेश दिया था। विधानसभा में बहुमत साबित करने पर कल्याण सिंह दोबारा मुख्यमंत्री बने थे। राजनाथ सिंह ने मेरे ही संभल चुनाव का जिक्र करते हुए लोकतंत्र पर प्रहार की बात लोकसभा में अपने सम्बोधन में कही है, 1998 मैं और मुलायम सिंह यादव जी आमने सामने थे त् यह कहना था पूर्व सांसद तथा पूर्व मंत्री डीपी यादव का वह सेक्टर 52 में रेशम टायर्स प्राइवेट लिमिटेड शोरूम के उद्घाटन के दौरान बतौर मुख्य अतिथि मीडिया को संबोधित कर रहे थे त् डीपी यादव ने कहा की देश में एक देश एक चुनाव होने से काफी चीजें सही होंगी यह सरकार का उत्तम विचार है। उन्होंने कहा कि किसानों के जेल जाने को काफी दुर्भाग्यपूर्ण बताया उन्होंने कहा कि नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को भी उन किसानों के साथ-साथ शांति पूर्ण बर्ताव करना चाहिए जिन्होंने यहां के विकास के लिए अपनी बेस कीमती जमीन दी है। नोएडा प्राधिकरण को उनके जीवनयापन तथा उनके बच्चों के रोजगार की भी चिंता करनी चाहिए तथा उन्हें अवसर दिया जाना चाहिए त् श्री यादव ने कहा कि किसानों को भी अधिकारियों के समक्ष न्यायोचित मांग ही रखनी चाहिए तथा समस्या का समाधान में प्राधिकरण के अधिकारियों का सहयोग भी करना चाहिए त् उन्होंने कहा कि खेती मेहनतकश काम है तथा किसानों का जेल जाना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। इस बारे में सरकार को भी गंभीरता से सोचने की जरूरत है त् उन्होंने कहा कि नोएडा कभी अभावग्रस्त था आज यहां ऊंचे ऊंचे मॉल तथा बढ़ते उद्योग व्यापार इस विकास में सरकार के अलावा यहां के स्थानीय निवासियों का भी काफी सहयोग रहा है उन्होंने कहा कि यहां उद्योग तथा व्यापार करने वालों का हम सभी मिलकर सहयोग करते हैं तथा करना चाहिए। इस मौके पर मिसलीन प्राइवेट लिमिटेड के कमर्शियल डायरेक्टर शांतनु देशपांडे नेशनल सेल्स मैनेजर प्रशांत शर्मा तथा रीजनल सेल्स मैनेजर हिमांशु कपूर के अलावा रेशम टायर के डायरेक्टर एसएस यादव, सूर्यकान्त यादव , चंद्रकांत यादव , कृष्णकांत यादव, राजेश यादव, अरुणेश यादव महेशचंद्र यादव , अतुल यादव, विनय यादव , बाबू गुप्ता भी मौजूद थे। इस दौरान समाजवादी पार्टी के नेता भीष्म यादव, फोनरवा के कोषाध्यक्ष अशोक शर्मा तथा क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद थे। इससे पूर्व डीपी यादव ने बतौर मुख्य अतिथि रेशमटायर्स प्राइवेट लिमिटेड के मिसलीन शोरूम का फीता काटकर उद्घाटन किया। डीपी यादव ने कहा कि इस शोरूम के खुलने से यहां के वाहन चालकों को वाजिब कीमत पर अच्छे टायर की उत्पाद प्राप्त हो सकेंगे वहीं इससे क्षेत्र का विकास भी होगा तथा ऐसे व्यापार व प्रतिष्ठा खोलने से युवाओं को भी रोजगार मिलने के अवसर प्राप्त होते हैं उन्होंने इस कदम की काफी सराहना की।

आरेडिका महाप्रबंधक ने किया हेरीटेज पार्क का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में सोमवार को महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में हेरीटेज पार्क का उद्घाटन किया गया।महाप्रबंधक महोदय ने बताया कि आरेडिका प्रशासन के द्वारा इस हेरीटेज पार्क में रेलवे के कोचों एवं इंजनों के विभिन्न तकनीकीय मॉडलों को संरक्षित करने का कार्य किया जा रहा है जिससे रेलवे की अनमोल विरासतों को संरक्षित किया जा सके साथ ही साथ लोगों को रेलवे की भूली-बिछड़ी यादों से लोगों को जोड़ा जा सके। हेरीटेज पार्क के माध्यम से लोगों को अमूल्य विरासतों के महत्व के प्रति जागरूक करेगा है। इसी के साथ पार्क में लोगों के बैठने तथा घूमने फिरने के लिए हरित घास के मैदान, परिभ्रमण पथ, बच्चों के मनोरंजन के लिए छोटे-2 पुल एवं तालाबों का निर्माण किया गया। आरेडिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के परिवार इस सुन्दर प्राकृति छटा का लुत्फ उठाएंगे। हेरीटेज पार्क के निर्माण होने से आने वाले आगुन्तको को आरेडिका की सकारात्मक छवि की अनुभूति होगी। इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य अभियंता एस पी यादव, प्रधान वित्त सलाहकार श्री बीएल मीना, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता हरीश चन्द्र, और प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी रमेश चन्द्र, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा भारती मिश्रा एवं संगठन की सभी सदस्याएं सहित उच्च अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

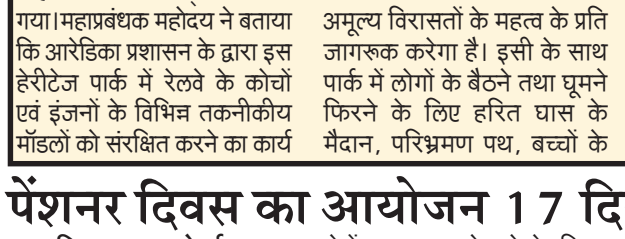

पेंशनर दिवस का आयोजन 17 दिसंबर को : डीएम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। रायबरेली जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार पेंशनरों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण की कार्यवाही किए जाने हेतु कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में 17 दिसंबर 2024 को पूर्वाह्न 11:00 से पेंशन दिवस का आयोजन किया जा रहा है। पेंशनर्स दिवस में जनपद के समस्त कार्यालयाध्यक्ष स्वयं प्रतिभाग करेंगे ताकि पेंशनर्स की ऐसी समस्याएं जिनका निराकरण कार्यालयाध्यक्षों द्वारा किया जाता है, के त्वरित निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित हो सके।जिलाधिकारी ने बताया कि पेंशनर्स दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में कोषागार से पेंशन प्राप्त करने वाले सेवानिवृत्त राजकीय कर्मचारी बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा व विद्युत विभाग के पेंशनर्स संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे, जिनके साथ वरिष्ठ कोषाधिकारी तथा अन्य कार्यालयाध्यक्ष पेंशन स्वीकृत एवं भुगतान की प्रक्रिया में आने वाली कठिनाईयों तथा शासन द्वारा लागू की गयी ई-पेंशन प्रणाली के क्रियान्वयन के तकनीकी पक्ष पर चर्चा करेंगे।

आधुनिक गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

सोनभद्र, मिर्जापुर

राजकीय बालिका इण्टर कालेज दुद्धी में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र /दुद्धी । राज्य परियोजना निदेशक, उ0 प्र0 माध्यमिक शिक्षा अभियान लखनऊ के तत्वाधान में सोनभद्र में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत राजकीय बालिका इण्टर कालेज दुद्धी में 3 माह के आत्मरक्षा प्रशिक्षण की शुरूआत हुई। उद्घाटन जी0जी0आई0सी0 दुद्धी विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ रीतीका श्रीवास्तव और डॉ प्रीति शर्मा ने किया एन आई एस कोच रवि सिंह हैं जो ताईक्वांडो दक्षिण कोरिया से ब्लॉक बेल्ट-4 डॉन, अन्तराष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी हैं एवं उत्तर प्रदेश राज्य पुरस्कार से सम्मानित हैं । कोच रवि सिंह द्वारा रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के अन्तर्गत बालिकाओं से संवाद किया गया तथा उन्हें विभिन्न सरकारी एवं टोल-फ्री नम्बरों जैसे 1090-वूमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076 -मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा आदि के सम्बंध में जानकारी देते हुए जागरुक किया गया । आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत बालिकाओं को विपरीत परिस्थितियों से सामना करने हेतु मानसिक एवं शारीरिक रूप से सशक्त बनाते हुए प्रशिक्षण के माध्यम से बालिकाओं को ताईक्वांडो आत्मरक्षा की ट्रेनिंग दी जा रही है। जिसमे पंच ,किक, ब्लॉकिंग, और गले का छुड़ाना,हाथ का छुड़ाना,बाल का छुड़ाना, कन्धे का छुड़ाना आदि सुरक्षा के दॉव-पेंच बताये गये कि हमे सड़क पर अगर कोई छेड़ता है, तो उनको कैसे जवाब देना है और अपनी सुरक्षा कैसे करनी है- के बारे में बताया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्वेता ने बताया कि मार्शल आर्ट हमारे लिए बहुत जरूरी है। इससे हम मुसीबत में अपनी सुरक्षा कर सकते हैं। हम सब को आत्मरक्षा/सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग लेनी चाहिये। आप सब भी ध्यान से सीखें और दूसरों को भी इसकी जानकारी दी विद्यालय के बालिकाओं की नोडल अधिकारी वर्षा के साथ-साथ शोभा कुमारी यादव और कुसुम सिंह संचिता श्रीवास्तव मनीष कुमार आदि लोग भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे ।

वीरता के गतिविधियों के थीम पर वीर बाल दिवस का किया जा रहा हैं आयोजन- शेषमणि दुबे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले गतिविधियों के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय विकास लोढ़ी मे संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक एवं गायत्री दुबे की अध्यक्षता में बैठक आहुत कर बानायी गई कार्ययोजना सिक्खों के 10वें गुरु गोविंद सिंह के वीर पुत्रों, साहिबजादा ज़ोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान के मौके पर 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है। ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि वीरता के गतिविधियों के थीम पर वीर बाल दिवस का आयोजन किया जाना हैं। जिसमे वीर बाल दिवस के मौके पर ह्वमेरे सपनों का भारत', 'मुझे क्या खुशी मिलती है', विषय पर चित्रकला, कहानी एवं निबंध लेखन की गतिविधियाँ होंगी। एवं माध्यमिक स्तर के बच्चों के लिये 'राष्ट्र निर्माण में बच्चों की भूमिका और बेहतर दुनिया के लिये मेरा दृष्टिकोण' विषय पर निबंध लेखन, कविता, वाद-विवाद एवं डिजिटल प्रेजेंटेशन का आयोजन सोमवार तक जनपद में बाल देखरेख संस्थाओं एवं विद्यालयों तथा अन्य सम्बन्धित कार्यालयों मे बाल सभा के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक व गायत्री दुबे द्वारा बताया गया कि 26 दिसम्बर 2024 को जनपद के समस्त बाल देखरेख संस्थाओं में वीर बाल दिवस उत्सव के रूप में मनाया जाएगा साथ ही बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों की प्रेरणादायी कहानियाँ सुनाई जायेंगी। और शैल्टू प्लेटफार्म पर कहानियों के सत्र, रचनात्मक लेखन, पोस्टर निर्माण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता करायी जायेगी मौके पर जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक, गायत्री दुबे, सामाजिक कार्यकर्त्ता आकांक्षा उपाध्याय, ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे, बाबू अहमद, चाईल्ड हेल्पलाइन से सुपरवाइजर धर्मवीर सिंह, आदि उपस्थित रहे।

अलाव जलाने की डीएम से की एआईपीएफ ने मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

म्योरपुर, सोनभद्र, । जनपद में पड़ रही भीषण ठंड में ग्रामीण क्षेत्रों में अलाव जलाने के लिए तत्काल आदेश देने के लिए आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने डीएम से मांग की है। एआईपीएफ के जिला संयोजक कृपाशंकर पनिका ने पत्र भेज कहा है कि जनपद में इस समय भीषण ठंड पड़ रही है, तापमान लगातार गिर रहा है और आम नागरिक बेहद कष्ट में है। इस ठंड के कारण किसी भी नागरिक की मृत्यु न हो इससे सुनिश्चित करना शासन व प्रशासन की संवैधानिक जिम्मेदारी है। पत्र में मांग की है कि सभी खंड विकास अधिकारियों, नगर पंचायत व नगर पालिका के अधिशासी अधिकारियों को सार्वजनिक स्थलों पर तत्काल अलाव जलाने और कम्बल वितरण करने का आदेश देने का कष्ट करें।

भारतीय किसान यूनियन ने थाना प्रभारी को सौप पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति जनपद सोनभद्र के जिला अध्यक्ष बिरजू कुशवाहा के नेतृत्व में गौतम बुद्ध नगर के किसानों

के हित में थाना प्रभारी घोरावल कमलेश पाल को सोपा ज्ञापन भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति उत्तर प्रदेश 17 दिसंबर 2024 प्रशासन के उक्त धनात्मक रवैया के विरुद्ध पूर्ण गिरफ्तार 132 किस सत्याग्रहियों को बिना शर्त रिहा करने में अपने स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु सांकेतिक गिरफ्तारी धरना देकर ज्ञापन सोपा उम्मीद है कि उत्तर प्रदेश सरकार इस ज्ञापन को संज्ञान में लेकर गिरफ्तारी सत्याग्रहियों को विनाशक रहा करते हुए जनपद के स्थानीय समस्याओं के साथ-साथ गौतम बुद्ध नगर के सत्याग्रहियों द्वारा उठाए गए मांगों को समय रहते हुए पूरा करें संजय कुमार यादव लोक शक्ति यूनियन के जिला सचिव बृजेश कुमार सिंह मीडिया प्रभारी सोनभद्र तहसील अध्यक्ष रामपाल पटेल ग्राम इकाई कोषाध्यक्ष परमानंद सिंह तहसील उपाध्यक्ष गजेंद्र बहादुर सिंह अवधेश कुमार मौर्य जितेंद्र बहादुर सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

यहां 'कोडवर्ड' से पार होती हैं ओवरलोड ट्रकें, वाहन पास कराने वाले बनते हैं माध्यम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। दिन हो या रात ओवरलोड ट्रकें पार कराकर योगी सरकार के खजाने को प्रतिमाह लाखों का चूना लगाया जा रहा है। महज एक कोडवर्ड के जरिए दिन हो या रात हजारो ओवरलोड ट्रकें जिले की सीमा से निकाली जा रही हैं। इसके लिए वाहन पास कराने वालों को माध्यम बनाया गया है, इसके एवज में मारकुंडी एरिया के एक प्राइवेट व्यक्ति के जरिए अच्छी खासी इंट्री (सुविधा शुल्क) भी वसूले जाने की चर्चा आम है। दिन और रात में चलने वाले इस खेल की भनक सामान्य व्यक्ति को न लगने पाए, इसके लिए प्रतिमाह एक नए कोडवर्ड का इस्तेमाल किया जाता है और इसी कोड वर्ड के जरिए बिना किसी रोक-टोक के ओवरलोड वाहन आसानी से जिले की सीमा से निकल जाते हैं। इस तरह चढ़ती है इंट्री और इस तरह कोडवर्ड की करते हैं पुष्टि नाम न छापने की शर्त पर कई वाहन संचालक बताते हैं कि बिना किसी रोक-टोक के ओवरलोड एवं बगैर परमिट वाले वाहनों के संचालन के लिए पहले वाहन पास करने वालों से संबंध बनाना पड़ता है। वहां से प्राइवेट व्यक्ति का नंबर मिलता है। इसके बाद उससे संपर्क कर गाड़ी का नंबर नोट कराने के साथ एक निश्चित रकम अदा करनी पड़ती है। रकम अदा करने के बाद वाहन चालक को या उसके स्वामी को एक कोडवर्ड दिया जाता है। आगे बढ़ने पर जिले की सीमा में जहां पर गाड़ी रोकी जाती है, वहां उस कोड वर्ड को बता देना होता है। गाड़ी रोकने वाला व्यक्ति अपने मोबाइल से उस कोडवर्ड के जरिए वाहन संख्या का मिलान करता है। इसके बाद बिना कुछ पूछे वाहन आगे बढ़ाने का इशारा दे दिया जाता है। कहीं कोई रिकॉर्ड न रहने पाए, इसके लिए इस खेल से जुड़े लोग सामान्य तरीके से एक दूसरे को फोन काल करने की बजाए, वाट्सएप काल का सहारा लेते हैं। दिन हो या रात पासरो के लोकेशन से होती है गाड़ियां पास चर्चाओं पर ऐतबार करें तो दिन हो या रात पासरो के लोकेशन पर इंट्री वाले वाहनों को पास कराने का खेल चलता है। रास्ते में कहीं कोई दिक्कत न आने पाए, इसके लिए वाहन पास करने वाले के माध्यम से अधिकारियों का लोकेशन लिया जाता है। इसके बाद वाहन आगे बढ़ाने की हरी झंडी दे दी जाती है। दिन में बालू-गिट्टी लदे ओवरलोड वाहन चोपन से पटवध के बीच खड़े कर दिए जाते हैं। लोकेशन मिलते ही वह धीरे-धीरे मारकुंडी की तरफ बढ़ने लगते हैं। मारकुंडी में मौजूद इंट्री टीम की तरफ से इशारा मिलते ही वाहन मारकुंडी पहाड़ी चढ़ते हुए आगे के लिए निकाल लेते हैं।मानक से ज्यादा गिट्टी लोड करने की छूट, परिवहन पर सख्ता गिट्टी परिवहन में लगे कई ट्रक संचालकों का आरोप है कि ओवरलोड परिवहन पर जिस तरह से सख्ती दिखाई जाती है अगर उसी तरह की सख्ती मानक से अधिक गिट्टी लोडिंग करने वाले पर ही दिखा दी जाए तो यह नौबत ही ना आए। एसोसिएशन से पूर्व में हुए समझौते में यह बात तय हुई थी कि ओवरलोड या बगैर परमिट में जो भी वाहन पकड़े जाएंगे उन पर गिट्टी लोड करने वाले क्रशर प्लांटों पर भी कार्रवाई की जाएगी लेकिन महज चार वाहनों के मामले में कार्रवाई की गई। शेष की फाइल ठंडे बस्ते में डाल दी गई। बता दें कि परमिट भी उतने की ही जारी होती है जितना लोड नियमानुसार पास रहता है। उससे ज्यादा की गिट्टी बिना किसी रॉयल्टी की अदायगी के ले जाई जाती है। जैसे किसी ट्रक पर नियमानुसार 18 घनफीट तक गिट्टी-बालू लोड की जाती है तो सरकार के खाते में रॉयल्टी उतने की ही जमा होगी। उससे ज्यादा लोड की गई गिट्टी-बालू का परिवहन बगैर किसी परमिट या रॉयल्टी के ही किया जाएगा। इसका सीधा मतलब है मानक से अधिक जितना भी गिट्टी-बालू का परिवहन होगा, उतना सरकार को राजस्व का चूना लगता जाएगा।आप सिस्टम में हैं तो सब कुछ ओके लोगों की मानें तो अगर आप इंट्री के सिस्टम में हैं तो आपके वाहन के लिए सब कुछ ओके है। अगर आप इसमें नहीं है तो अंडर लोड वाहन भी चालान के शिकार हो जा रहे हैं।

शहीदों को समर्पित काव्यांजलि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी के तत्वावधान में शहीद स्मारक करारी पर अठारह दिसंबर बुधवार को दिन में दोपहर काव्य गोष्ठी का आयोजन अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल अशफाक उल्ला खां राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी ठाकुर रौशन सिंह के बलिदान दिवस पर किया गया है जिसमें जनपद के लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार गण काव्य पाठ करेंगे। उक्त आशय की जानकारी संस्था प्रमुख प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने दी है।

विधानसभा का घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विधानसभा घेराव के लिए कांग्रेसियों की योजना से पहले पुलिस ने नेताओं को हाउस अरेस्ट करना शुरू कर दिया है। 18 दिसंबर को घेराव की घोषणा के चलते, पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को उनके घरों में नजरबंद कर रही है। रॉबर्ट्सगंज में फोर्स के साथ कोतवाल सतेंद्र राय ने लखनऊ जाने के लिए बस पकड़ने जा रहे कांगेस के मीडिया प्रभारी शत्रुंजय मिश्रा को हिरासत में लेकर उन्हें उनके आवास पर ले जाकर छोड़ दिया और हाउस अरेस्ट कर लिया। विधानसभा का घेराव करने के लिए कांग्रेसियों के कूच से पहले ही पुलिस ने नेताओं को हाउस अरेस्ट करने में जुट गई है। कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व ने 18 दिसम्बर को विधानसभा घेराव की घोषणा कर रखी है। मंगलवार की सुबह से ही पुलिस ने उनके घरों पर पहरा देना शुरू कर दिया है। कांग्रेसी नेताओं को उनके घरों से निकलने नहीं दिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने सभी अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ और थाना प्रभारी को लखनऊ में लागू धारा 163 बीएनएस के मद्देनजर जिले में अलर्ट रहने का निर्देश दिए है। उधर कॉंग्रेस नेता शत्रुंजय मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के विधानसभा के घेराव कार्यक्रम को असफल बनाने के लिए शासन ने प्रदेश व्यापी अभियान के तहत कांग्रेसियों को उनके घरों में ही नजरबंद करने का फरमान जारी किया है। कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। बताया उनके कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट किया जा रहा है। उन्हें घर से बाहर जाने की इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा की बीजेपी सरकार प्रदेश व्यापी विधानसभा घेराव से घबराई और बौखलाहट मे आकार कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर रही है, इस आंदोलन के जरिये बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानो की समस्याओं, महिलाओं पर बढ़ते अपराध, बिगड़ती कानून व्यवस्था सहित जनहित हित के मुद्दों पर सरकार को जगाने के लिए आंदोलन करने के लिए कार्यकर्ता लखनऊ जाना चाहते थे, लेकिन बीजेपी सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर रही है! हाऊस अरेस्ट होने वालों मे प्रमोद पांडे, निगम मिश्रा, बंशीधर पांडे, धीरज पांडे, अभिषेक चौबे सहित कई नेताओ के घर पर ही देर शाम तक पुलिस का पहरा था।

जनसुनवाई में आए 23 शिकायतों का हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में रूबी प्रसाद मा0 अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 3, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 2, नगर पंचायत ओबरा में 3, नगर पंचायत रेनुकूट में 3, नगर पंचायत पिपरी में 4, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बाजार में 0. नगर पंचायत अनपरा में 3, समस्त निकायों को मिलाकर कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी/नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

वृद्धा पेंशन में सरकारी तंत्र की खामियों के चलते जीवित व्यक्ति को मृत दिखा दिया सेंगेटरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जनपद के समाज कल्याण विभाग में 13 ऐसे व्यक्ति का नाम सचिव काट दिए बन गया चर्चा का विषय वहीं अपने आपको जीवित साबित करने के लिए कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। जिले में ऐसे पेंशनर्स की संख्या 13 के करीब हैं, जिन्हें अपने आपको जीवित होने का प्रमाण देने के लिए दर दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिली तो वह समाज कल्याण कार्यालय पहुंचे। समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में जब उनका विवरण देखा गया तो पता चला कि सचिव द्वारा उन्हें मृत दिखा दिया गया था, जिसके चलते उनकी पेंशन भी काट दी गई। कुछ देर के लिए तो वह समझ ही नहीं पाए कि क्या करें और क्या नहीं। पेंशन उनके बैंक खाते में नहीं आई तब कहीं जाकर उन्हें अपने साथ हुए इस सरकारी मजाक की जानकारी मिली। अब उन्हें मृत किसने और क्यों घोषित किया यह न तो अधिकारी बता रहे हैं और न ही कर्मचारी।जिसमें शंकर संतु राम लखन श्याम कुमारी शिव शंकर फूलमाधि रामपट्टी लाल हुआ मुन्नी शिवराम सुखिया राम सियावन ,वचिया सहित 13 लोग पीड़ित है।

एसबीए चुनावः टेंडर वोटिंग के लिए मिले 12 आवेदनः मुख्य चुनाव अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के निर्वाचन सत्र 2024।25 के लिए हो रहे मतदान के लिए सिर्फ पांच पदों अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष व सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से नीचे पद पर मुकाबला होगा जिसके लिए कुल 18 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं। सोमवार को मतदाता सूची प्रत्याशियों को वितरित की गई। टेंडर वोटिंग के लिए 12 वकील मतदाताओं ने अपना आवेदन दिया है। जिसकी वजह से 928 वकील मतदाताओं में से सिर्फ 12 लोग 17 दिसंबर को टेंडर वोटिंग करेंगे। 20 दिसंबर को मतदान व 21 दिसंबर को मतगणना होगी। उधर प्रत्याशी समर्थकों के साथ वकील मतदाताओं से संपर्क किया, जिसकी वजह से चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी शशि कुमार मिश्र ने बताया कि पांच पदों पर 18 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है जिसके लिए मतदान होगा। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी अरुण कुमार मिश्र, अशोक प्रसाद श्रीवास्तव व ओम प्रकाश पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी गोविंद प्रसाद मिश्र व शारदा प्रसाद मौर्या, महामंत्री पद के लिए तीन प्रत्याशी अखिलेश कुमार पांडेय,अरुण कुमार सिंघल व योगेश कुमार द्विवेदी, कोषाध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी आशीष कुमार मिश्र उर्फ मंटू, वंशीधर पांडेय व वीरेंद्र कुमार सिंह एवं सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से नीचे के लिए 7 प्रत्याशी अविनाश रंजन त्रिपाठी, आशीष कुमार पाल, कंचन, प्रमोद कुमार सिंह, रमाशंकर चौधरी, राहुल जैन व श्याम किशोर मिश्र शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सोमवार को प्रत्याशियों को मतदाता सूची का वितरण किया गया। इसके अलावा टेंडर वोटिंग करने के लिए 928 वकील मतदाताओं में से सिर्फ 12 लोगों ने अपना आवेदन किया है, जो 17 दिसंबर को टेंडर वोटिंग करेंगे।

स्पोर्ट्स

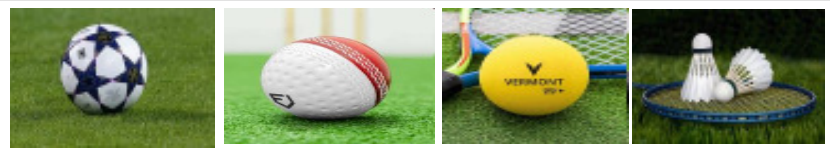

एक तरफ विराट हुए फेल, दूसरी तरफ विलियम्सन ने इंग्लैंड के खिलाफ जड़ दिया शतक, स्मिथ की बराबरी की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फैब-4 में इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में कोहली काफी नीचे हैं। उन्होंने अब तक 17 पारियों में 25.06 की औसत से 376 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिस्बेन में टेस्ट के साथ-साथ न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच हैमिल्टन में टेस्ट मुकाबला खेला जा रहा है। ब्रिस्बेन टेस्ट के तीसरे दिन भारत लंच ब्रेक तक अपनी पहली पारी में तीन विकेट गंवाकर 22 रन बना लिए थे। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और विराट कोहली आउट हो चुके। विराट महज तीन रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें हेजलवुड ने विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच कराया। वहीं, दूसरी तरफ हैमिल्टन टेस्ट में विलियम्सन ने शतक जड़ दिया। यह उनके टेस्ट करियर का 33वां शतक रहा और उन्होंने स्टीव स्मिथ की बराबरी की, जिन्होंने रविवार को अपना 33वां शतक पूरा किया था। एक तरफ जहां विराट फेल पर फेल हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ फैब-4 के अन्य बल्लेबाज शतक लगा रहे हैं। विलियम्सन और स्मिथ से पहले जो रूट ने भी शतक लगाया था। हैमिल्टन टेस्ट की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 347 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 143 रन पर समाप्त हुई। न्यूजीलैंड ने खबर लिखे जाने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट गंवाकर 350 से ज्यादा रन बना लिए हैं। विलियम्सन 156 रन बनाकर आउट हुए। वह इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस सीरीज में छह पारियों 65.83 की औसत से 395 रन बनाए। उन्होंने पहले टेस्ट में 93 रन और 61 रन की पारी खेली थी। वहीं, दूसरी पारी में वह 37 रन और चार रन बना सके थे। तीसरे टेस्ट की पहली पारी में विलियम्सन ने 44 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड हालांकि, इस सीरीज को गंवा चुका है। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट आठ विकेट और दूसरा टेस्ट 323 रन से जीता था। वहीं, विराट कोहली की बात करें तो न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली घरेलू सीरीज में वह छह पारियों में 91 रन बना सके थे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले टेस्ट की पहली पारी में पांच रन बना सके थे। दूसरी पारी में उन्होंने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाया। हालांकि, इसके बाद तीन पारियों में वह 7, 11 और 3 का स्कोर ही बना पाए। फैब-4 में इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में कोहली काफी नीचे हैं। उन्होंने अब तक 17 पारियों में 25.06 की औसत से 376 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वहीं, स्मिथ के लिए भी गाबा टेस्ट से पहले यह साल सूखा रहा था। वह इस साल 14 पारियों में 30.27 की औसत से 333 रन बना चुके हैं। इनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। हालांकि, स्मिथ का औसत कोहली से बेहतर है।जो रूट शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने इस साल 30 पारियों में 55.62 की औसत से 1502 रन बनाए हैं। इनमें छह शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, विलियम्सन 18 पारियों में करीब 60 की औसत से 1013 रन बना चुके हैं। इनमें चार शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। विराट के टेस्ट में फॉर्म को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, टीम मैनेजमेंट और कोच गौतम गंभीर से उन्हें समर्थन मिलता रहा है, लेकिन इस साल उनके खराब प्रदर्शन की वजह से विराट का औसत 50 से नीचे गिर चुका है। यह एक वक्त 53 के आसपास था।

मोर्ने मोर्कल ने बुमराह को समर्थन नहीं मिलने की बात खारिज की, पहले गेंदबाजी लेने पर कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट झटके, लेकिन अन्य गेंदबाज संघर्ष करते दिखे। हालांकि, मोर्कल ने इस बात को खारिज किया कि बुमराह को दूसरे छोर पर समर्थन नहीं मिल रहा है। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने गेंदबाजी रणनीति अमल नहीं कर पाने पर निराशा व्यक्त की। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में सात विकेट गंवाकर 405 रन बना लिए हैं। रविवार को ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ ने चौथे विकेट के लिए 242 रनों की साझेदारी कर भारतीय गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट झटके, लेकिन अन्य गेंदबाज संघर्ष करते दिखे। हालांकि, मोर्कल ने इस बात को खारिज किया कि बुमराह को दूसरे छोर पर समर्थन नहीं मिल रहा है। बुमराह ने नई गेंद से पहले सत्र में कहर बरपाया और उस्मान ख्वाजा और नाथन मैकस्वीनी को आउट कर दो झटके दिए। फिर स्मिथ को रोहित के हाथों कैच कराया। फिर हेड को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। बुमराह ने इन दोनों को आउट करने के बाद मिचेल मार्श को भी कोहली के हाथों कैच कराया। जसप्रीत बुमराह लोन वुल्फ साबित हुए और उन्होंने 12वीं बार पारी में पांच विकेट लिए। मोर्कल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम कह सकते हैं कि हेड काफी अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप 50 से 80 ओवरों तक देखें तो गेंद के साथ हम पिछले मैच में भी पिछड़ गए। हमने थोड़े बहुत रन लुटाए। इसलिए मुझे लगता है कि हमें इस विभाग में बेहतर होने की जरूरत है।

आशीष शेलार महाराष्ट्र सरकार में मंत्री बने, कौन होगा बीसीसीआई में अगला कोषाध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने सितंबर 2022 में बीसीसीआई को अपने संविधान में संशोधन करने की अनुमति दी थी जिसने विधायकों के लिए बोर्ड में पदाधिकारी बनने का रास्ता साफ कर दिया था। इसके बाद शेलार उसी साल अक्तूबर में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष बने थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता आशीष शेलार के रविवार को देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में कोषाध्यक्ष का पद खाली होना तय है। अक्तूबर 2022 में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष का पद संभालने वाले शेलार ने पिछले महीने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वांद्रे पश्चिम सीट जीतने के बाद नागपुर में कैबिनेट मंत्रियों में से एक के रूप में शपथ ली।उच्चतम न्यायालय ने 2016 में लोढ़ा समिति की सिफारिशों को लागू करते हुए फैसला सुनाया था कि कोई भी मंत्री और लोक सेवक बीसीसीआई का सदस्य नहीं बन सकता। हालांकि शीर्ष अदालत ने सितंबर 2022 में बीसीसीआई को अपने संविधान में संशोधन करने की अनुमति दी थी जिसने विधायकों के लिए बोर्ड में पदाधिकारी बनने का रास्ता साफ कर दिया था। इसके बाद शेलार उसी साल अक्तूबर में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष बने थे। शेलार मौजूदा समिति के दूसरे अधिकारी हैं जो अपने पद से हटे हैं। इससे पहले जय शाह बीसीसीआई सचिव के पद से हटकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन बने थे। शाह ने आईसीसी में अपना कार्यकाल एक दिसंबर को शुरू किया था जबकि बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने नौ दिसंबर को संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया को बोर्ड का अंतरिम सचिव नियुक्त किया था। सैकिया सितंबर 2025 तक बीसीसीआई के अंतरिम सचिव के रूप में अपनी नई भूमिका में बने रहेंगे। उसके बाद यह पद स्थायी रूप से भर दिया जाएगा।

उनके पास निश्चित रूप से स्किल है', आकाश दीप का मुरीद हुआ यह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। स्मिथ ने गाबा में दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''मुझे लगता है कि आकाश ने काफी अच्छी गेंदबाजी की, विशेषकर पहले स्पैल में।'' भारत के तेज गेंदबाज आकाश दीप भले ही तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन यहां विकेट लेने में नाकाम रहे हों लेकिन गेंद से बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें पैदा करने की उनकी क्षमता की ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने तारीफ की। स्मिथ ने रविवार को अपना 33वां टेस्ट शतक बनाया और चौथे विकेट के लिए ट्रेविस हेड (152) के साथ 241 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने जसप्रीत बुमराह (5/72) के चुनौतीपूर्ण स्पैल और आकाश दीप की धारदार गेंदबाजी के खिलाफ संघर्ष भी किया। स्मिथ ने गाबा में दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''मुझे लगता है कि आकाश ने काफी अच्छी गेंदबाजी की, विशेषकर पहले स्पैल में। वह काफी मूवमेंट के साथ गेंद को घुमा रहे थे। उन्होंने वास्तव में अच्छी लेंथ से गेंदबाजी की। वह एक अच्छे गेंदबाज हैं। यह पहली बार था जब मैंने उनका सामना किया। निश्चित रूप से उनमें कुछ कौशल है स्मिथ ने कहा, ''जब दूसरी नई गेंद आई तो जसप्रीत आया और उसने वह किया जो हम जानते हैं कि जसप्रीत कर सकता है। वहां दो विकेट खोना दुर्भाग्यपूर्ण था। लेकिन हम इस समय काफी मजबूत स्थिति में हैं।'' स्मिथ ने 101 रन की पारी खेलकर 18 महीने के शतक के सूखे को समाप्त किया। उन्होंने हेड के साथ मैदान पर अपनी बातचीत के बारे में भी बात की जिन्होंने 160 गेंद में 152 रन बनाए। उन्होंने कहा, ''ट्रेविस की बल्लेबाजी देखने के लिए मेरे पास एक शानदार सीट थी। ट्रेविस लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। जिस तरह से वह शुरू से ही गेंदबाजों पर दबाव बनाने में सक्षम था, वह काफी अविश्वसनीय है।'' स्मिथ ने कहा, ''वह इस समय एक विशेष खिलाड़ी है। वह बहुत अच्छा खेल रहा है और हमारी टीम की बहुत मदद कर रहा है और जब भी वह खेलने के लिए मैदान पर जाता है, गेंदबाजों पर दबाव डालता है। यह फिर से देखना अच्छा लगा।'' मैदान पर अपनी बातचीत के बारे में उन्होंने कहा, ''हम वहां एक-दूसरे से अधिक कुछ नहीं कहते। वह बस कहता है, 'अपना काम करो'। मैं कहता हूं, 'अपना काम करो', और हम आगे बढ़ जाते हैं।

तीसरे मैच के दौरान रोहित शर्मा ने खोया आपा, आकाश दीप पर हुए गुस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आकाश दीप इस मैच में अब तक महंगे साबित हुए हैं। वहीं, एक बार फिर स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने प्रभावित किया और पहली पारी में छह विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 445 रन पर ऑलआउट हुई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिसबेन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपना आपा खो दिया। रोहित तेज गेंदबाज आकाश दीप पर गुस्सा हुए। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई पारी के 114वें ओवर में जब एलेक्स कैरी बल्लेबाजी कर रहे थे तो आकाश दीप ने ऑफ स्टंप के बाहर वाइड फेंकी। गेंद काफी दूर पिच हुई, लेकिन विकेट के पीछे ऋषभ पंत ने शानदार डाइव लगाकर गेंद बाउंड्री पर जाने से रोकी। ऑस्ट्रेलिया को इस तरह एक अतिरिक्त रन मिला। इतनी बड़ी वाइड जाने से रोहित नाराज हुए और अपना आपा खो बैठे। रोहित स्टंप माइक पर बोलते सुनाई दिए, 'अबे सर में कुछ है।

पूर्व महिला क्रिकेटर ईशा गुहा ने बुमराह से मांगी माफी, कहा- मेरा इरादा किसी को आहत करना नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गुहा ने बुमराह को एमवीपी बताया। हालांकि, एमवीपी के सिंपल फुल फॉर्म 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' की जगह उन्होंने 'मोस्ट वैल्यूएबल प्राइमेट' का इस्तेमाल किया। गुहा ने यह भी सुझाव दिया कि भारतीय तेज गेंदबाज को दूसरे छोर से कुछ समर्थन की आवश्यकता है। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर ईशा गुहा ने जसप्रीत बुमराह के लिए 'प्राइमेट' शब्द का इस्तेमाल करने के लिए माफी मांगी है। यह शब्द 15 दिसंबर को गाबा टेस्ट के दूसरे दिन के बाद वायरल हुआ था। गुहा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया में बुमराह की शानदार गेंदबाजी के बारे में बात कर रही थीं।भारतीय तेज गेंदबाज ने रविवार को सीरीज का अपना दूसरा फाइव विकेट हॉल प्राप्त किया था। भारतीय गेंदबाजों में वह अकेले ऐसे गेंदबाज रहे जो घातक साबित हुए। गुहा ने बुमराह को एमवीपी बताया। हालांकि, एमवीपी के सिंपल फुल फॉर्म 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' की जगह उन्होंने 'मोस्ट वैल्यूएबल प्राइमेट' का इस्तेमाल किया। गुहा ने यह भी सुझाव दिया कि भारतीय तेज गेंदबाज को दूसरे छोर से कुछ समर्थन की आवश्यकता है। गुहा ने कहा, 'एमवीपी - मोस्ट वैल्यूएबल प्राइमेट। वह भारत के लिए काफी कुछ करने वाले गेंदबाज हैं। इस टेस्ट मैच की तैयारियों के लिए उन पर इतना ध्यान क्यों दिया जा रहा है और क्या वह आगे फिट हो पाएंगे?। उन्हें दूसरे छोर से कुछ समर्थन की जरूरत है।' हालांकि, गुहा द्वारा इस्तेमाल किया गया 'प्राइमेट' शब्द सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फैंस ने इस शब्द के उपयोग के लिए उन्हें घेर लिया। कमेंटेटर ने सोमवार को गाबा टेस्ट के तीसरे दिन से पहले फॉक्स क्रिकेट पर अपने ऑन-एयर बयान के लिए माफी मांगी। गुहा ने इस शब्द के उपयोग के साथ किसी भी तरह गलती के लिए माफी मांगी। अंग्रेजी कमेंटेटर ने कहा कि वह बुमराह की बस तारीफ करना चाहती थीं और उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अंत में गलत शब्द का इस्तेमाल किया। गुहा ने उम्मीद जताई कि लोग समझेंगे कि बुमराह के बारे में उनकी टिप्पणी में कोई दुर्भावना नहीं है। उन्होंने कहा, 'कल कमेंट्री में मैंने एक शब्द का इस्तेमाल किया था जिसका कई अलग-अलग तरीकों से मतलब निकाला जा सकता है। मैं किसी भी अपराध के लिए माफी मांगना चाहती हूं। जब दूसरों की सहानुभूति और सम्मान की बात आती है तो मैं खुद के लिए सच में उच्च मानक स्थापित करती हूं।' उन्होंने कहा, 'अगर आप पूरी कॉपी सुनेंगे तो मेरा मतलब भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक की सबसे ज्यादा तारीफ से था। बुमराह एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिनकी मैं बहुत प्रशंसा करती हूं। मैं समानता में विश्वास रखती हूं और कोई ऐसा व्यक्ति जिसने अपना करियर इस खेल को जीने और समझने के बारे में बिताया है, उनका मैं सम्मान करती हूं। उन्होंने कहा, 'मैं बुमराह की उपलब्धियों को दर्शाने की कोशिश कर रही थी और मैंने गलत शब्द चुना।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

मुंबई ने दूसरी बार जीती सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी, मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मुंबई ने दूसरी बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की है। इससे पहले मुंबई ने अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में 2022/23 में खिताब अपने नाम किया था। मुंबई ने रविवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल मैच में मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम ने दूसरी बार खिताब पर कब्जा जमाया। इससे पहले टीम ने अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में 2022/23 में खिताब पर कब्जा जमाया था। बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई ने टॉस जीतकर मध्य प्रदेश को बल्लेबाजी का न्योता दिया। रजत पाटीदार की अर्धशतकीय पारी की बदौलत टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने सूर्यकुमार यादव की 48 रनों की जबरदस्त पारी की बदौलत 17.5 ओवर में पांच विकेट पर 180 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। एमपी के लिए त्रिपुरेश सिंह ने दो विकेट लिए जबकि शिवम शुक्ला, वेंकटेश अय्यर और कुमार कार्तिकेय ने एक-एक विकेट लिया। सिंह ने 15, वेंकटेश अय्यर ने 17, राहुल बाथम ने 19, त्रिपुरेश सिंह ने 0, शिवम शुक्ला ने एक और कुमार कार्तिकेय ने एकङ रन बनाया। बना सके। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे कप्तान श्रेयस अय्यर (16) भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। इसके बाद मोर्चा अजिंक्य रहाणे (37) और सूर्यकुमार यादव (48) ने संभाला और स्कोर 100 के करीब पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। रहाणे 99 के स्कोर पर वेंकटेश अय्यर का शिकार बन गए। इस मुकाबले में शिवम दुबे का बल्ला खामोश रहा, वह सिर्फ नौ रन बना सके। वहीं, अथर्व अंकोलेकर 16 और सूर्यांश शेडगे 36 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबईः पृथ्वी शॉ, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, हार्दिक तैमोर (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, तनुष कोटियान, रॉयस्टन डायस, अथर्व अंकोलेकर। मध्य प्रदेशः अर्पित गौड़, हर्ष गवली (विकेटकीपर), सुभ्रांशु सेनापति, हरप्रीत सिंह भाटिया, रजत पाटीदार (कप्तान), वेंकटेश अय्यर, त्रिपुरेश सिंह, राहुल बाथम, शिवम शुक्ला, कुमार कार्तिकेय, आवेश खान।

सम्पादकीय

बाजार की दशा एवं दिशा समझें, एक राजस्व स्त्रोत पर ना रहें निर्भर

कहावतें समय, काल और परिस्थितियों की हर कसौटी पर अपनी सार्थकता सिद्ध करती आई हैं। एक पुरानी कहावत है कि अपने सभी फल एक ही टोकरी में न रखें। यह कहावत जीवन की अंतर्निहित सीख के साथ ही वित्तीय अनुशासन एवं नियोजन के मोर्चे पर भी उतनी ही सटीक बैठती है। एक सदाबहार वित्तीय सलाह यह दी जाती है कि कभी भी केवल एक राजस्व स्रोत पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिए। कोई व्यक्ति भले ही किसी पेशे में हो, उसके लिए आय के विभिन्न स्रोत विकसित करना सदैव लाभदायक होता है। उदारवाद से पूर्व के भारतीय मध्यवर्ग की बात करें तो उसकी बचत मुख्य रूप से बैंक डिपाजिट, बीमा, रियल एस्टेट और सोने में निवेश से होती रही। ब्याज और किराये से होने वाली कमाई ने एक सामान्य परिवार के राजस्व की धारा को विविधता प्रदान की। समय के साथ निवेश के अपेक्षाकृत जटिल, किंतु परिष्कृत माध्यमों का भी उभार हुआ। सीधे इक्विटी या म्यूचुअल फंडों के माध्यम से पूंजी बाजार में दांव लगा रहे लोगों ने उल्लेखनीय लाभ का मंत्र तलाशा। यदि शेयर निवेशकों की पहली पीढ़ी के लिए शेयरों पर डिविडेंड वस्तुतः कर मुक्त आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना तो अनुवर्ती पीढ़ियों को मूल पूंजी में अत्यधिक वृद्धि के पहलू ने लुभाया। शेयर बाजार में निवेश ने अन्य निवेश माध्यमों में बढ़ोतरी को पीछे छोड़ दिया। उदारवाद के उपरांत भारत निवेश सलाहकारों के एक नए वर्ग के उभार का साक्षी बना। ये सलाहकार अपने ग्राहकों को असंख्य निवेश विकल्पों के चयन में सहायक बनने लगे। कोरोना महामारी के बाद पूंजी बाजार निवेशकों की संख्या में व्यापक प्रसार हुआ है। इक्विटी निवेश भले ही एक पुरानी अवधारणा हो, लेकिन बीते पांच वर्षों के दौरान इसमें अभूतपूर्व तेजी दिखी है। निवेशकों की संख्या से लेकर निवेश की मात्रा कई गुना बढ़ी है। इस तेजी का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि बीते चार वर्षों के दौरान डीमैट खातों की संख्या चार करोड़ से बढ़कर 17 करोड़ हो गई है। इक्विटी फंडों में एसआइपी (सिस्टेमिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश भी रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। सितंबर के अंत तक भारतीय शेयर बाजार अकल्पनीय तेजी पर सवार रहा और ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा, किंतु पिछले दो महीने से बाजार में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। चूंकि निवेशकों की एक बड़ी संख्या ने महामारी के बाद पहली बार बाजार में कदम रखा तो व्यापक संपत्ति अवमूल्यन का यह उनका पहला अनुभव है, जहां उनके निवेश में इतना ह्रास हुआ हो। ऐसे में, कुछ घबराहट और यहां तक कि कोहराम की स्थिति स्वाभाविक ही है। स्थायी एवं स्थिर निवेश परिदृश्य के लिए इस प्रकार का माहौल प्रतिकूल होता है। इस कोलाहल को शांत करने के लिए कुछ आधारभूत पहलुओं पर दृष्टि डालना उपयोगी हो सकता है। विगत वर्षों में ऐसा क्या कारण रहा, जिसके चलते पूंजी बाजार में इतना भारी निवेश हुआ? पूंजीगत लाभ के बहुत ही स्वाभाविक कारण से इतर एक महत्वपूर्ण, किंतु कम चर्चित कारण भारत में कराधान नीति से जुड़ा है। फिकस्ड इनकम (नियत आय) से जुड़ी सभी योजनाओं पर वर्तमान में करों की सर्वाधिक दरें लागू होती हैं। चाहे बैंक डिपाजिट हो, डेब्ट म्यूचुअल फंड या मार्केट लिंक्ड डीबेंचर, सभी पर टैक्स आपकी आय के अनुसार लगाया जाता है, जो अधिकतम 40 प्रतिशत से अधिक तक हो सकता है। कुछ समय पहले एक भिन्न कराधान नीति अस्तित्व में थी, जहां इनमें से कुछ पर इंडेक्सेशन के साथ लांग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगाया जाता था। उससे टैक्स का बोझ कुछ घट जाता था। वर्तमान कर प्रणाली में फिक्स्ड इनकम निवेशों पर टैक्स देने के बाद आय काफी कम हो गई है, जो महंगाई की दर के अनुरूप भी नहीं रह जाती है। आवश्यक नहीं कि इसे टैक्स नीति की आलोचना के रूप में ही लिया जाए। इस संदर्भ में यह तर्क दिया जाता है कि एक प्रकृति के सभी निवेशों पर समान टैक्स नीति होनी चाहिए। निवेशक अपना निर्णय संबंधित योजना की गुणवत्ता के आधार पर लें, न कि उससे मिलने वाले अनुचित एवं भिन्नतापूर्ण टैक्स लाभ को ध्यान में रखकर। हालांकि इसकी स्वाभाविक प्रतिगामी परिणति यही हुई कि निवेशक अपर्याप्त जानकारियों के बावजूद इक्विटी की ओर जाने पर विवश हैं। निवेशकों को समझना होगा कि निवेश परिसंपत्तियों में प्रायः चक्रीय रुझान देखने को मिलता है। इसमें शिखर से लेकर तलहटी की स्थिति अपरिहार्य है। बाजार को प्रभावित करने वाले बेशुमार कारक हैं और वास्तव में उन पर किसी का पूर्ण नियंत्रण नहीं हो सकता।

रानी लक्ष्मीबाई की परछाई थी स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना और साहसी झलकारी बाई

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को भारतीय नारी के बल, बुद्धि, साहस से परिचित कराने वाली एक साधारण सी महिला झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर सन् 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव में एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की गवाह अनगिनत बहादुर हस्तियां रहीं लेकिन इतिहास की विडम्बना है कि चंद नामों को ही इतिहास अपनी पुस्तक में दर्ज होने का मौका देता है। अनगिनत नाम आज भी गुमनामी की किताब में मुस्कुरा रहे हैं। कुछ अमिट छाप छोड़ने वाले नाम किस्सों, कहानियों, लोकगीतों में इस तरह समा गए कि उनका अमर होना लाजिमी है। कुछ नाम यूं ही इतिहास से वर्तमान तक पहुंचने की फेहरिस्त की कतार में लगे हैं। कुछ नाम ही बहादुरी के पर्याय बन गए। झलकारी बाई एक ऐसा ही नाम है जिसे इतिहास उसी सम्मान से निहारता है जैसे किसी क्रान्तिकारी वीर रानी को। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की कलम की जुबानी- सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को भारतीय नारी के बल, बुद्धि, साहस से परिचित कराने वाली एक साधारण सी महिला झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर सन् 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव में एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। उनके पिता सदोवर सिंह और मां जमुना देवी थी। बचपन में ही माता का देहांत हो जाने पर पिता सदोवर सिंह ने उनका लालन-पालन एक लड़के की तरह किया। झलकारी बचपन से ही निडर और बहादुर थी। घुड़सवारी, तलवारबाजी और हथियार चलाने का शौक उन्हें एक कुशल योद्धा में परिवर्तित करने का काम कर रहा था। तत्कालीन परिवेश में एक अति सामान्य परिवार में जन्मी कन्या को औपचारिक शिक्षा दिला पाना सरल न था। फिर भी एक कुशल योद्धा के रूप में झलकारी बाई का निर्माण हुआ। जंगल में लकड़ियां काटना, खेतों-खलिहानों में खुद को रोपना, पशुओं की देखभाल करना, झलकारीबाई के रोजमर्रा के काम थे। कहते हैं एक दिन जंगल में झलकारी का सामना एक तेंदुए से हो गया, झलकारी ने उसे सामान्य कुल्हाड़ी से मार डाला। गांव में खबर फैली और झलकारी बाई की बहादुरी के चर्चे होने लगे। फिर एक बार डकैतों के एक गिरोह के द्वारा गांव के एक व्यापारी पर हमला बोल दिया गया, झलकारी ने बहादुरी से उन डकैतों न केवल सामना किया बल्कि उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। उसकी बहादुरी देख गांव में उसकी खूब प्रसन्नता हुई और गांव वालों ने उसकी बहादुरी के कारण उसका विवाह रानी लक्ष्मीबाई की सेना के बहादुर सैनिक पूरन सिंह कोली से करवा दिया। इतिहास की कहानियों और किस्सों में झलकारी का चित्र महारानी लक्ष्मीबाई के जैसा ही है। उन्हें इतिहास रानी की हमशक्ल बतलाता है। यकीनन इतिहास की घटनाएं उनमें दर्ज शौर्य-गाथाएं झलकारी बाई को महारानी लक्ष्मीबाई की परछाई दर्शाती हैं। जिसने न केवल अंग्रेजों अपितु भारतीयों को भी अचंभित किया हुआ था। कहते हैं झलकारी बाई गौरी पूजा के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई को सम्मान देने झांसी के किले में गयीं थी वहां दोनों की मुलाकात हुई रानी यह देखकर कि वह उनके जैसे ही दिखती है आश्चर्य चकित रह गयी। झलकारी के विषय में उनकी बहादुरी के किस्सों से प्रभावित होकर रानी ने उन्हें दुर्गा सेना में भर्ती कर लिया। झलकारी की प्रतिभा को रानी ने बखूबी तराशा। उन्हें तोप चलाना, तलवारबाजी, बंदूक चलाना आदि में महारथ हासिल करवायी। जल्द ही झलकारी महिला फौज की बहादुर कमाण्डर बन गयी। डलहौजी की हड़प नीति के तहत जब झांसी पर संकट के बादल मडराये झलकारी अग्रिम मोर्चे की योद्धा बनी। अप्रैल 1857 के युद्ध में रानी और उसकी महिला सेना महल के भीतर से ही मोर्चा संभाले हुए थे। ब्रिटिश सेना के सभी प्रहारों को नाकाम करती महारानी की सेना सम्भवतः ब्रिटिश सेना को वापस खदेडने में कामयाब भी हो जाती यदि, तभी रानी के एक सहयोगी राव दूल्हाजू की गददारी के कारण महल के द्वार ब्रिटिश सेना के लिए न खोले जाते तो शायद इतिहास बदल भी सकता था। हालांकि किले के द्वार खुलने की खबर झलकारी के इरादों पर भारी न कर सकी, उनकी रणनीति का परिणाम था कि रानी अपने कुछ विश्वासपात्र सैनिकों के साथ किले से निकलने में कामयाब हो गयी। कहते हैं झलकारी के पति पूरन की किले की रक्षा करते हुए शहादत हुई। झलकारी की वीरता का आंकलन करना आज भी संभव नहीं। पति की मृत्यु का शोक झलकारी बाई की पांव की बेड़ियां नहीं प्रेरणा की ढाल बना। झलकारी शेरनी की तरह रानी लक्ष्मीबाई की वेशभूषा में झांसी की सेना की कमान हाथों में लेकर ब्रिटिश सेना को गुमराह करने के लिए स्वयं ह्यूरोज के कैम्प में पहुंच ललकारने लगी। कमाल का जज्बा रहा होगा, साहस और वीरता शब्द भी बौना लगता है, वीरांगना झलकारी बाई के इरादों के आगे। उनकी वीरता के साहस को बहुत लिखा गया लेकिन फिर भी कम लिखा गया । वृंदावन लाल वर्मा अपने उपन्यास में झलकारी बाई के बारे में बताते हैं- झलकारी जब ह्यूरोज के सामने पहुंची, उसकी शान-ओ-शौकत और चेहरे का तेज़ देख कर जब तक वह भी उसे पहचान न सका, जब तक छावनी में मौजूद राव दूल्हाजू(रानी के पकड़े जाने की खबर पाकर) ने उसे छावनी की आड़ से बारीकी से पहचान करके न बताया । दूल्हाजू ने ह्यूरोज से कहा- 'यह रानी नहीं है जनरल साहब । झलकारी कोरिन है। रानी इस प्रकार सामने नहीं आ सकती। दूल्हाजू की गद्दारी से झलकारी के चेहरे पर डर का भाव नहीं बल्कि वह निर्भय होकर दहाड़ी- 'मार दै, मैं का मरबे खो डरात हो? जैसे इत्ते सिपाही मरे तैसे एक मैं सई।'आज भी यह यकीन करना मुश्किल है कि एक साधारण सी महिला दुनिया की सबसे ताकतवर सेना के सर्वश्रेष्ठ सैनिक से जा भिड़ी। यकीनन झलकारी बाई के बुलंद हौसले और बहादुरी के अंगिनत किस्से अभी भी हम तक अपनी पहुंच न बना पाए हैं लेकिन उनके चंद किस्सों को हमने कहानियों, कविताओं और उपन्यासों में सहेजने की जो कोशिश की है । उसे पढ़ कर आने वाली पीढ़ी को सकारात्मक ऊर्जा का भंडार मिलेगा । झलकारी बाई समाज के वंचित तबके की क्रांतिकारी महिला थी। तत्कालीन समाज में सामान्य लोगों के इतिहास लेखन की परंपरा नाम मात्र की होने के कारण, उनके जीवन की अनेक स्मृतिओं को कहीं दर्ज न किया जा सका । महारानी लक्ष्मीबाई विदुषी, दूरदर्शी और बेहद सहज विचारों की शासिका थी। तत्कालीन समाज की जटिलताओं और कुरीतियों से परे, समानता से लबरेज स्वतंत्रता की हिमायती रानी लक्ष्मीबाई ऊंच-नीच, भेद-भाव की विरोधी थी । उनके क्रांतिकारी विचारों की झलक उनकी दुर्गा सेना में देखी जा सकती हैं । समाज के वंचित तबके का प्रतिनिधित्व करने वाली जाबाज़ क्रांतिकारी झलकारी बाई ने अपने परिवार और प्राणों को देश के लिए समर्पित कर दिया । झलकारी बाई की शहादत कैसे हुई इस पर इतिहासकार अलग अलग विचार रखते हैं, कुछ का मानना है की उन्हें जेल में डाल दिया गया और कुछ उनकी शहादत 4 अप्रैल 1857 को मानते हैं । वास्तविकता कुछ भी हो लेकिन इतना तो निश्चित है की ब्रिटिश हुकूमत झलकारी के राष्ट्र के प्रति समर्पण को आसानी से सहन नहीं कर सकती थी। झलकारी बाई की बहादुरी को देख ह्यूरोज का कहना पड़ा, कि अगर भारत की 1ज्ञ महिलाएं भी झलकारी बाई जैसी हो जाएं।

देश में 'सनातन धर्म बोर्ड' अभियान और कुछ सवाल

हिंदुत्व के मुख्य पैरोकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से इस बारे में खुलकर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन भाजपा के कुछ नेताओं, जिनमें त्रिपुरा के मत्स्यपालन मंत्री सुधांशु दास व भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर शामिल हैं, ने इस मांग का समर्थन किया है। बहरहाल, देश में हिंदू मंदिरों के नियंत्रण और रखरखाव को राज्य सरकारों और प्रबंधन ट्रस्टों के कब्जे से मुक्त कर हिंदू संतो, पुरोहितों के हाथों में देने की व्यापक मुहिम की यह पहली पायदान है। बंटेगे तो कटेंगे' के बाद हिंदुत्व एजेंडे की राह में नई मुहिम अब 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' की है। हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदू समाज के हाथों में सौंपने की बात तो पहले से की जा रही थी। चार वर्ष पूर्व उत्तराखंड में भाजपा सरकार ने बद्रीनाथ समेत 51 मंदिरों का प्रबंधन देवस्थानम बोर्ड से लेकर पंडे पुरोहितों के हाथों में सौंप दिया था। हाल में यह मुद्दा सबसे पहले आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरूपति प्रसादम में मिलावट की बात सामने आने पर उठाया था।उसके बाद इसे हिंदू साधु संतों की दूसरी पंक्ति ने हवा दी। दूसरी पंक्ति इसलिए क्योंकि इन साधु संतो में परंपरागत हिंदू धर्माचायों से ज्यादा संख्या कारपोरेट शैली में काम करने वाले कथा वाचकों की है। उनका अपना आभामंडल और भक्तों की फौज है। इसी संदर्भ में देश के नामी कथा वाचक एवं सनातन न्यास फाउंडेशन के के अध्यक्ष देवकीनंदन ठाकुर की पहल पर बीते 16 नवंबर को दिल्ली में धर्म संसद का आयोजन कर 'सनातन धर्म बोर्ड' गठन की मांग पर मुहर लगाई।हिंदुत्व के मुख्य पैरोकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से इस बारे में खुलकर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन भाजपा के कुछ नेताओं, जिनमें त्रिपुरा के मत्स्यपालन मंत्री सुधांशु दास व भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर शामिल हैं, ने इस मांग का समर्थन किया है। बहरहाल, देश में हिंदू मंदिरों के नियंत्रण और रखरखाव को राज्य सरकारों और प्रबंधन ट्रस्टों के कब्जे से मुक्त कर हिंदू संतो, पुरोहितों के हाथों में देने की व्यापक मुहिम की यह पहली पायदान है। हालांकि, इस अभियान से कई बड़े और स्थापित संत अभी दूर हैं। ये वो संत हैं, जिनका भाजपा सरकारों में अच्छा रसूख है और संघ से भी उनके घनिष्ठ रिश्ते रहे हैं। फिलहाल प्रस्तावित सनातन धर्म बोर्ड का प्रारूप क्या हो, इस बारे में स्पष्टता नहीं है। कुछ लोगों का मानना है कि सिख गुरूद्वारा प्रबंधन की तर्ज पर यह बोर्ड काम कर सकता है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अनुसार प्रारूप तय करने के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। वैसे इस अभियान का राजनीतिक पहलू यह भी है कि देश में या तो मुस्लिमों के वक्फ बोर्ड को खत्म किया जाए या फिर कुछ उसी तर्ज पर संवैधानिक रूप से हिंदू सनातन बोर्ड गठित किया जाए। उल्लेखनीय है कि इस साल सितंबर में सनातन धर्म रक्षा बोर्ड की जरूरत बताते हुए आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अब समय आ गया है कि पूरे भारत में मंदिरों से जुड़े सभी मुद्दों पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' का गठन किया जाए। इस पर व्यापक बहस होनी चाहिए।इसी बात को आगे बढ़ाते हुए कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर ने देश की राजधानी दिल्ली में धर्मसंसद बुलाई। इसमें उन्होंने अन्य कथावाचकों और साधु संतों के अलावा राजनीतिक दलों के नेता जैसे मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जेपी नड्डा, अखिलेश यादव को भी निमंत्रण भेजा था। इनमें से कोई भी उसमें शामिल नहीं हुआ। इस धर्म संसद में 13 अखाड़ों से संतों के साथ ही हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, वाराणसी, तीर्थ नगरियों के कई लोग शामिल हुए।कुछ लोग इसे भाजपा का ही राजनीतिक एजेंडा मान रहे हैं, क्योंकि इस धर्म संसद में समान नागरिक संहिता लागू करने, हलाल सर्टीफिकेट जारी करने वाली कंपनियों का विरोध तथा धर्मांतरण रोकने जैसी मांगें भी उठाई गई। समागम में शामिल जैन मुनि लोकेश ने देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून जल्द से जल्द लागू करने की मांग की।धर्म संसद के मुख्य अतिथि द्वारका शारदा पीठ के जगदुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने राम जन्म भूमि की तरह श्री कृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी मस्जिद भी हिंदुओं को सौंपने की मांग की। धर्म संसद में शामिल अन्य प्रमुख लोगों में सीहोर के पंडित प्रदीप मिश्रा, हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास, अयोध्या के डॉ.राम विलास वेदांती आदि थे। लेकिन इस धर्म संसद से स्वामी अवधेशानंद गिरी, स्वामी गोविंदगिरी स्वामी कैलाशानंद गिरी, आचार्य बालकृष्ण, स्वामी चक्रपाणी, आचार्य प्रमोद कृष्णम्, स्वामी दीपांकर जैसी हस्तियां दूर रहीं। धर्म संसद के पहले 4 नवंबर को मथुरा में हिंदू संतों की एक महापंचायत भी हुई थी। दरअसल, हिंदू धर्म में मंदिरों के रखरखाव प्रबंधन और संचालन के लिए कोई एक सुनिश्चित व्यवस्था नहीं है। कई जगह सरकारों ने मंदिर प्रबंधन के लिए ट्रस्ट बना रखे हैं तो ज्यादातर मंदिरों का मैनेजमेंट पंडे पुरोहितों के भरोसे है। जबकि अखाड़ा परिषद का मानना है कि मंदिर प्रबंधन में सरकारी दखल होने से मंदिरों की परंपरा व व्यवस्था खंडित हो रही है। बताया जाता है कि अखाड़ा परिषद 'सनातन बो'र्ड का प्रारूप तैयार करवा रही है।इसमें 13 अखाड़ों के प्रमुख संतों, हर प्रदेश के हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज, वरिष्ठ अधिवक्ता, तीर्थपुरोहित व एक हिंदू प्रशासनिक अफसर को शामिल करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही सनातन बोर्ड का चेयरमैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को ही बनना चाहिए, क्योंकि उनके संपर्क में देशभर के धर्माचार्य रहते हैं। चेयरमैन सहित बोर्ड में कुल 21 सदस्य होने चाहिए। इसी मुद्दे पर संत पुरोहित समाज में रस्साकशी शुरू हो गई है। बोर्ड का चेयरमैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को बनाने के प्रस्ताव का अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने पुरज़ोर विरोध किया है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी और सचिव रूपेश मेहता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेजे पत्र में मांग की गई है कि सनातन धर्म रक्षा बोर्ड का नेतृत्व शंकराचार्यजी को करना चाहिए न कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को। क्योंकि बोर्ड का प्रारूप बनाने का अधिकार अखाड़ा परिषद को नहीं है। शंकराचार्यजी सनातन धर्म के सर्वमान्य प्रतिनिधि हैं। हालांकि अखाड़ा परिषद के भी दो धड़े हो चुके हैं। एक धड़े के अध्यक्ष निर्वानी अखाड़े से और दूसरे निरंजनी अखाड़े से बताए जाते हैं।वैसे सनातन बोर्ड के अलावा भारत के हिंदुओं को धार्मिक आधार पर संगठित करने और उसे एक कानूनी संगठन का रूप देने के लिए देश में संवैधानिक 'राष्ट्रीय हिंदू बोर्ड' की स्थापना भी प्रस्तावित है। भारत का प्रत्येक हिंदू इस बोर्ड का सदस्य होगा। उसे राष्ट्रीय हिंदू बोर्ड के प्रमुख को चुनने के लिए मताधिकार होगा। हालांकि हर हिंदू को इसका सदस्य बनने की अनिवार्यता नहीं होगी, जबकि जैन, सिख और बौद्ध धर्मावलंबी भी चाहें तो इसके सदस्य बन सकते हैं। प्रस्तावित बोर्ड के पास हिंदू मंदिरों के प्रबंधन के कानूनी अधिकार होंगे। वर्तमान में बड़े मंदिरो के प्रबंधन और स्वामित्व से जुड़े विवाद भी यह बोर्ड ही सुलझाएगा। इस कानून के तहत राष्ट्रीय सनातन रजिस्ट्रार की नियुक्ति होगी। यह कानून बनने के बाद मंदिरो के प्रबंधन के लिए वर्तमान में लागू हिन्दू देवस्थानम अधिनियम अप्रभावी हो जाएगा। यह ट्रस्ट हिंदू धर्म स्थानों का पंजीयन तो करेगा, लेकिन विभिन्न सम्प्रदायों, पन्थो, मठो आदि का अधिग्रहण नहीं करेगा, और न ही उनके दान का प्रबंधन करेगा। सभी विवाद नागरिको की जूरी द्वारा ही सुने जायेंगे।सनातन महजब की तरह अपने आप में कोई धर्म नहीं है। जो शाश्वत है, वही सनातन है और हिंदू धर्म व जीवन शैली की मुख्य धारा है। वर्तमान में देश में करीब 7 लाख छोटे बड़े हिंदू मंदिर हैं। इनमें भी सर्वाधिक मंदिर तमिलनाडु में हैं। अंग्रेजों के समय पर हिंदू मंदिरों के रखरखाव को लेकर पहली बार कानून 1863 में बना। इसके बाद तत्कालीन मद्रास (अब तमिलनाडु) में 1925 में हिंदू मंदिरों का प्रबंधन शक्तिशाली कमिश्नर बोर्ड के माध्यम से करने का कानून बना। केरल में मंदिरों के प्रबंधन के लिए देवस्वोम बोर्ड है, जो मंदिर के पुजारियों और अन्य स्टाफ की भर्ती भी करता है। कर्नाटक में सरकार हिंदू मंदिरो से भी टैक्स वसूलती है। वहां लागू कानून में प्रावधान है कि 1 करोड़ रू से अधिक वार्षिक आय वाले हिंदू मंदिरों को कमाई का 10 फीसदी व 10 लाख रू. तक की आय वाले मंदिरों को कमाई का 5 फीसदी सरकार को देनी होगी।सनातन बोर्ड बनेगा या नहीं, या कब बनेगा, यह मोदी सरकार पर निर्भर है, लेकिन जिस सुनियोजित तरीके से यह मांग उठाई जा रही है, उसका कुछ तो नतीजा निकलेगा। सवाल यह है कि क्या नई व्यवस्था भी मंदिरों का निर्विवाद संचालन कर पाएगी? क्योंकि अव्यवस्थाओं की शिकायतों के बाद ही तो इस काम में सरकारों ने हाथ डाला था।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

भा कि संगठन को पुलिस प्रशासन ने शान्ति व्यवस्था बनाने में सहयोग की अपील की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। भारतीय किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र यादव को स्थानीय पुलिस अधिकारीयो वर्षगांठ मना रहा है और वहीं दूसरी तरफ भारत सरकार इस समय देश में संविधान खत्म करने का काम कर रही है इस समय देश में आंसू गैस के गोले और वॉटर कैनन का इस्तेमाल कर बल का प्रयोग किया गया। वहीं दिल्ली के पास उत्तर प्रदेश के जिला गौतमबुद्धनगर

ने संयुक्त किसान मोर्चा के आव्हान पर हो रहे ट्रैक्टर मार्च को रोककर वार्ता कर शहर शान्ति व्यवस्था बनाने में सहयोग की बात कही। किसानो एवम् पुलिस अधिकारीयो की बात पर सहमति बनने के बाद, किसानो ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एसीपी सेन्ट्रल नोएडा प्रथम राजीव कुमार गुप्ता को को ज्ञापन सौंपा। इस मौके राजेन्द्र यादव ने कहा आज देश संविधान की 75 वीं भय का माहौल बना हुआ है क्या इस स्वतंत्र भारत में किसी अपनी आवाज उठाने का अधिकार नहीं है। क्या संविधान में आवाज उठाने का अधिकार खत्म कर दिया गया है?वहीं लगभग पिछले 20 दिनों से आमरण अनशन बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत भी बहुत ज्यादा खराब हो रही है। जब किसानों का एक जत्था जब दिल्ली की तरफ बढ़ा तो उन पर के किसान शांतिपूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन कर रहे थे उनको अवैध तरीके से जेल में बंद कर दिया गया है। सरकार का यह रवैया इमरजेंसी याद दिलाता है। इस मौके पर रणवीर प्रधान,धनपाल सिंह, लखमीचंद यादव, किरनपाल, [illegible] सिंह,विकास,अमित,तरुण, नितिन,कपिल पहलवान आदि मौजूद रहे।

लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस परीक्षा 2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी, कुशलता व शुचिता पूर्वक सम्पन्न कराया जाए-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस परीक्षा-2024 की तैयारियों के सम्बन्ध में सेक्टर मजिस्ट्रेट/स्टैटिक मजिस्ट्रेट / केन्द्र व्यवस्थापक व सह केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि लोक सेवा आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। आयोग द्वारा प्रतिबन्धित सामग्री कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र के अन्दर लेकर न जाने पाये। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने-अपने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित कराने के निर्देश दियें। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जायेंगी। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी, कुशलता व शुचिता पूर्वक सम्पन्न कराने के निर्देश दियें।जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह ने बताया कि लोक सेवा आयोग द्वारा पीसीएस परीक्षा-2024 दिनांक 22 दिसम्बर 2024 को जनपद के 15 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जा रहीं है। परीक्षा में कुल 6144 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा दो पालियों प्रथम पाली-प्रातः 09:30 से 11:30 एवं द्वितीय पाली की परीक्षा अपरान्ह 02:30 बजे से सायं 04:30 बजे तक आयोजित की जायेंगी। परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए प्रत्येक सेन्टर पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक एवं सह केन्द्र व्यवस्थापक नियुक्त किये गये हैं।इस अवसर पर लोक सेवा आयोग के पर्यवेक्षक के0 के0 पाण्डेय, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा, वरिष्ठ कोषाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

भारत-पाक युद्ध 1971 में भारतीय सेनाओं की अतुलनीय विजय की स्मृति में विजय दिवस का आयोजन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन (नौ सेना) अतुल्य दयाल (अ0प्रा0) ने बताया है कि भारत-पाक युद्ध 1971 में भारतीय सेनाओं की अतुलनीय विजय की स्मृति में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के प्रांगण में विजय दिवस मनाया गया।

उन्होंने बताया कि समारोह में उपस्थित भूतपूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। उन्होंने बताया कि रायबरेली जनपद के 1971 के युद्ध में प्रतिभाग करने वाले पूर्व सैनिक एम0सी0पी0ओ0 जगन्नाथ गुप्ता, सीमैन 1 एस0बी0 सिंह, एलईएमपी श्याम किशोर, सिगनलमैन-1 मकसूद अहमद खॉन एवं बसन्त सिंह पुत्र शहीद सैनिक रवि नारायण को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कैप्टन (नौ सेना) अतुल्य दयाल (अ0प्रा0) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, रायबरेली ने समारोह में सम्मलित होने हेतु सभी के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यालय के समस्त स्टाफ का सक्रिय योगदान रहा है।

बॉलीवुड/टैली मसाला

'सिकंदर' के टीजर रिलीज डेट से उठा पर्दा इस खास दिन पर दिखेगी फिल्म से सलमान खान की पहली झलक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' अपने एलान के बाद से ही चर्चाओं में है। वहीं, अब निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने खास दिन पर फिल्म का टीजर जारी करने की योजना बनाई है। सलमान खान अपने 59वें जन्मदिन पर एक भव्य जश्न की तैयारी कर रहे हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सिकंदर' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपने एलान के बाद से ही लाइमलाइट में है। इसी बीच फिल्म का इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। निर्माता इसका पहला टीजर और पोस्टर जारी करने वाले हैं। वहीं, उन्होंने इसके लिए एक खास तारीख भी सोच रखी है। 'सिकंदर' में सलमान खान के अपोजिट रश्मिका मंदाना नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग अंतिम चरण में है। टीम का लक्ष्य जनवरी 2025 तक शूटिंग पूरी करना है। इसी बीच निर्माताओं ने सलमान खान के 59वें जन्मदिन पर यानी कि 27 दिसंबर को 'सिकंदर' का पहला टीजर और पोस्टर जारी

करने की योजना बनाई है। जानकारी के अनुसार, टीजर को विशेष रूप से सलमान खान के जन्मदिन के लिए कट किया गया है और यह भव्यता, रोमांचक एक्शन और फुल टू एंटरटेनमेंट का वादा करता है। संपादन पूरे जोरों पर है और प्रशंसक एक पावर-पैक टीजर की उम्मीद कर सकते हैं, जो इस मेगा रिलीज के लिए माहौल तैयार करेगा। टीजर का बैकग्राउंड स्कोर संतोष नारायणन द्वारा बनाया गया है, जिन्हें 'कल्कि 2898 एडी' में अपने काम के लिए जाना जाता है। टीजर न केवल प्रशंसकों को फिल्म की एक झलक देगा बल्कि एक भव्य प्रचार अभियान की शुरुआत भी करेगा। ईद 2025 की रिलीज के साथ, टीम के पास बड़ी योजनाएं हैं, जिनमें कुछ बेहतरीन गाने और एक दिलचस्प ट्रेलर शामिल है। 'सिकंदर' 2014 की ब्लॉकबस्टर 'किक' के बाद सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला के नए सहयोग का प्रतीक है। एक बार 'सिकंदर' की शूटिंग पूरी हो जाने के बाद बाद, सलमान एटली द्वारा निर्देशित 'ए6' पर काम शुरू करेंगे, जिसका फिल्मांकन 2025 की गर्मियों में होगा। इस बीच, साजिद नाडियाडवाला अगले साल अन्य प्रमुख रिलीज में भी व्यस्त हैं, जिसमें अक्षय कुमार के साथ 'हाउसफुल 5' और टाइगर श्रॉफ के साथ 'बागी 4' शामिल है।

कला की दुनिया हो गई सूनी, कई नामी कलाकारों का हुआ 2024 में निधन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। साल 2024 अपने समापन पर है। सिनेमा और कला जगत में इस साल जहां कुछ बड़ी उपलब्धियां जुड़ी हैं, वहीं कई कलाकारों ने दुनिया को अलविदा भी कहा। इस साल कई नामी

कलाकारों का निधन हुआ। जानिए, उन सभी कलाकारों के बारे में।साल 2024 में दर्शकों को, श्रोताओं को अपने पसंदीदा कलाकार के निधन की बुरी खबर मिली। यह खबरें दिल को दुखा देने वाले रहीं। जानिए, इस साल किन-किन कलाकारों ने दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कहा। गजल गायक पंकज उधास का निधन फरवरी माह में लंबी बीमारी के कारण हुआ। पंकज उधास के गजल कार्यक्रम और म्यूजिक एलबम देश, दुनिया में मशहूर रहे। 'चांदी जैसा रंग है तेरा' जैसे कई और गजल गीतों से वह श्रोताओं के पसंदीदा गजल गायक बन गए थे। प्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा ने नवंबर माह में दुनिया को अलविदा कहा था। बिहार से संबंध रखने वाली शारदा सिन्हा ने अपना पूरा जीवन लोक संगीत को समर्पित कर दिया। उनके गाए छठ के गीतों बिना तो यह पर्व अधूरा ही समझ जाता है। ऐसे में उनका दुनिया से चले जाना, लोक संगीत जगत के लिए बड़ी हानि रही। कैंसर की लंबी बीमारी के कारण शारदा सिन्हा का निधन हुआ।ऋतुराज टीवी के जाने-माने अभिनेता थे। वह अधिकतर नेगेटिव रोल्स में ही सीरियल्स में नजर आते थे। फरवरी माह में ही कार्डियक अरेस्ट के कारण उनका निधन हुआ। ऋतुराज ने टीवी सीरिल्स के अलावा फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम किया है, दर्शकों पर अपने अभिनय की गहरी छाप छोड़ी थी। नवंबर माह में ही अभिनेता दिल्ली गणेश का निधन भी हुआ। वह तमिल सिनेमा का जाना-माना नाम रहे हैं। साथ ही थिएटर में भी काफी सक्रिय रहते थे। दिल्ली गणेश उनका स्टेज का नाम है, उनका असल नाम गणेशन महादेवन था। लगभग 400 फिल्मों में उन्होंने अभिनय किया था। कॉमेडियन अतुल परचुरे मराठी और हिंदी फिल्मों, धारावाहिकों में लंबे समय तक काम करते रहे। अक्टूबर 2024 में एक लंबी बीमारी के कारण उनका निधन हो गया। अतुल के अलावा इस साल टीवी एक्टर विकास सेठी के निधन की खबर भी आई। आमिर की फिल्म 'दंगल' में सुहानी भटनागर ने टीनएज बबीता फोगाट का रोल किया था। वह महज 19 साल की थी। जब खबर आई कि सुहानी इस दुनिया में नहीं रही तो यह खबर सुनकर आमिर खान को काफी बुरा लगा था। एक बीमारी के कारण सुहानी का निधन हुआ।

आमिर खान स्टारर 'सितारे जमीन पर' की पूरी हुई शूटिंग, पोस्ट-प्रोडक्शन का काम होगा शुरू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आमिर खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सितारे जमीन की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब फिल्म पोस्ट प्रोडक्शन के लिए तैयार है। इस जानकारी से आमिर के प्रशंसक बेहद खुश हैं कि उन्हें फिल्म को देखने के लिए अब और ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। सितारे जमीन पर बॉलीवुड की सबसे ज्यादा प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में आमिर खान, जेनेलिया देशमुख और दर्शील सफारी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आमिर ने हाल ही में इस प्रोजेक्ट पर अपडेट दिया और बताया कि यह 2025 के बीच में इसे रिलीज किया जा सकता है। आज मिली जानकारी के अनुसर, सितारे जमीन पर की शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए तैयार है।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आगामी फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' की शूटिंग 15 दिसंबर, 2024 को पूरी हो चुकी है। आमिर खान आरएस प्रसन्ना निर्देशित इस फिल्म के पैच शूट के लिए फिल्म सिटी के सेट पर मौजूद थे। शूटिंग दोपहर 2 बजे शुरू हुई और रात तक चली थी। बहरहाल, सितारे जमीन पर की शूटिंग पूरी हो गई है और अब यह अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। आमिर और प्रसन्ना अब अपना ध्यान पोस्ट-प्रोडक्शन पर लगाएंगे, जिसमें संपादन, विजुअल इफेक्ट और साउंड डिजाइन

शामिल होगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, निर्माता 2025 की गर्मियों में सितारे जमीन पर को रिलीज कर सकते हैं और हो सकता है कि फरवरी में फिल्म की ग्रुप स्क्रीनिंग आयोजित की जाए। आमिर दर्शकों की प्रतिक्रिया के आधार पर अपने प्रोजेक्ट को 'फाइन-ट्यूनिंग' करने में विश्वास रखते हैं, इसलिए, टीम अंतिम संपादन पर काम कर रही है ताकि इसे फरवरी में दिखाया जा सके। इससे पहले आमिर खान सऊदी अरब में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए थे। वहां एक इंटरव्यू के दौरान आमिर ने सितारे जमीन पर के बारे में कुछ दिलचस्प जानकारियां शेयक की थीं । उन्होंने बताया कि यह उनकी 2007 की फिल्म तारे जमीन पर का सीक्वल है। अभिनेता ने खुलासा किया कि फिल्म सितारे जमीन पर में नए किरदार और नई कहानी होगी।

तो उस्ताद जाकिर हुसैन निभाते मुगल ए-आजम में युवा सलीम का किरदार बेटे के लिए दोस्त से लड़े पिता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कभी क्रिकेटर बनने का सपना देखा तो कभी फिल्म में हीरो बनने का ऑफर मिला। जानिए मशहूर तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन साहब से जुड़े ये पांच किस्से...देश के मशहूर फनकार

तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन साहब नहीं रहे। पद्मश्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण जाकिर हुसैन ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में सोमवार सुबह अंतिम सांस ली। 73 वर्षीय उस्ताद जाकिर को रक्तचाप की समस्या के चलते अमेरिका के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। तकरीबन 62 साल तक तबले के साथ जुगलबंदी निभाने वाले जाकिर हुसैन से जुड़े कुछ अनसुने किस्से, पढ़िए इस खबर में जाकिर हुसैन को बचपन में क्रिकेट खेलने का बहुत शौका था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वो बचपन में क्रिकेटर बनना चाहते थे। वहीं उनके अब्बा उस्ताद अल्ला रक्खा कुरैशी साहब हमेशा से चाहते थे कि वो तबला वादक बनें पर वो बेटे को क्रिकेट खेलने से मना नहीं करते थे। हालांकि, एक बार क्रिकेट खेलते हुए जाकिर की उंगली टूट गई। इसके बाद अब्बा ने उन्हें क्रिकेट खेलने से सख्त मना कर दिया। जाकिर हुसैन ने एक इंटरव्यू में फिल्म 'मुगल-ए-आजम' से जुड़ा किस्सा सुनाया था। उन्होंने कहा था, 'मेरे पिता और मशहूर फिल्म निर्देश्क के.आसिफ बहुत अच्छे दोस्त थे। बचपन में पिता के मित्र शौकत मुझे फिल्म 'मुगल-ए-आजम' के सेट पर ले गए थे। मोहन स्टूडियो में शीश महल लगा हुआ था और 'प्यार किया तो डरना क्या..' गाने कि शूटिंग चल रही थी। सेट पर शौकत जी ने मेरी मुलाकात एक्टर दिलीप कुमार साहब से करवाई। उन्होंने मेरे सिर पर हाथ रखा और फिर डायरेक्टर के.आसिफ को देखकर बोले ठीक है। मतलब यह था कि उन्होंने मुझे फिल्म में युवा सलीम के रोल के लिए फाइनल कर लिया था। हालांकि, बाद में आसिफ साहब ने जब मेरे पिता से बात कि तो अब्बा नाराज हा गए। वो अपने दोस्त से लड़ पड़े। उन्होंने कहा कि जाकिर को तबला बजाना है। हमें इसे एक्टर वगैराह नहीं बनाना है। तो वहीं से मेरी फिल्म बनने से पहले ही एडिट हो गई।हालांकि, आगे जाकर हुसैन साहब ने 'हीट एंड डस्ट', 'द परफेक्ट मर्डर', 'साज', 'मंटो' और 'मंकी मैन' समेत कई फिल्मों में काम किया। वहीं 'साज', 'इन कस्टडी', 'लिटिल बुद्धा' और 'मिस्टर एंड मिसेज अय्यर' जैसी कई फिल्मों में संगीत भी दिया।अपनी पहली परफॉर्मेंस का किस्सा शेयर जाकिर हुसैन साहब ने एक इंटरव्यू में सुनाया था। उन्होंने कहा था, 'मैं बचपन में पिता जी के साथ मशहूर सरोद वादक उस्ताद अली अकबर खान साहब के कार्यक्रम में गया था। हम वो कार्यक्रम देखने गए थे पर पिता जी ने मुझे स्टेज पर बिठा दिया। तब मैं मात्र 12 साल का था और मैंने उस्ताद के साथ 20 मिनट तबला बजाया। तब उन्होंने मुझे जो 100 रुपए दिए थे उन्हें मैंने अब तक संभाल कर रखा है। यह मेरे लिए करोड़ों रुपए बराबर था। खास बात यह थी कि 7 साल की उम्र में मेरी पहली संगत भी उस्ताद अली अकबर खान साहब के साथ ही हुई थी। म्यूजिशियन नंबर 1 और नंबर 2 की होड़ से हमेशा बचने वाले जाकिर हुसैन ने एक कार्यक्रम में खुद से जुड़ा मजेदार किस्सा सुनाया था। उन्होंने कहा, 'एक बार मैं सैन फ्रांसिस्को में था। इमिग्रेशन के लिए गया था। वहां पर मेरा नाम सुनकर और मेरा लुक देखकर मुझे साइड कर दिया गया। ऑफिसर्स ने मुझसे कई सवाल पूछे.. फिर बोले आप पंडित रवि शंकर को जानते हैं? मैंने कहा हां..। तो बोले- बताइये, उनके बाद वर्ल्ड में इंडिया के दूसरे टॉप म्यूजिशियन कौन से हैं? उनका सवाल सुनते ही मेरी पत्नी बोलीं- वो यहीं हैं आप चाहें तो गूगल कर लें।'जाकिर हुसैन साहब ने आगे कहा, 'आप नंबर 1 और नंबर 2 में अटके हैं पर मुझे पता है कि ऐसे कई बेहतरीन कलाकार हैं जो मेरे जैसा और मुझसे बेहतर तबला बजाते हैं।'जाकिर हुसैन साहब को कभी पसंद नहीं आता था कि उन्हें कोई उस्ताद बोले। वो अक्सर कहते थे कि मैं उस्ताद नहीं हूं, सिर्फ जाकिर हूं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि कुछ ऑर्गनाइजर्स ने अपने शोज की टिकट बेचने के लिए मेरे नाम के आगे उस्ताद लगाना शुरू कर दिया। मुझे खुद को उस्ताद बुलाना पसंद नहीं। जाकिर ने यह भी बताया था कि वो हमेशा स्टेज पर पहुंचने के बाद तय करते हैं कि उन्हें क्या बजाना है। वो कुछ भी प्लान नहीं करते। सबकुछ मूड और पब्लिक के रिस्पॉन्स पर तय होता है।

गायिका हर्षदीप कौर से जुड़े 10 किस्से, 'राजी' फिल्म के इस गाने के लिए मिले तीन अवॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड गायिका हर्षदीप कौर आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। उनके इस खास दिन पर आपको बताते हैं उनके जीवन से जुड़ी 10 खास चीजें, जिनके कारण वे चर्चा रहीं। सूफी गायिका हर्षदीप कौर, अपनी निजी जिंदगी और गानों के कारण काफी चर्चा में रहती हैं। वे आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। आइए आपको बताते हैं हर्षदीप कौर के जीवन की कुछ

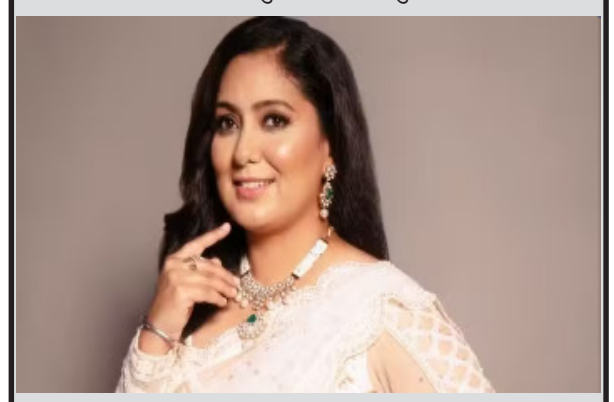

खास बातें। हर्षदीप कौर का जन्म 16 दिसंबर 1986 को दिल्ली में हुआ था। संगीत की विरासत हर्षदीप को अपने पिता से विरासत में मिली है। उनके पिता संगीत वाद्ययंत्र की फैक्ट्री रही है। हर्षदीप कौर और मनकीत बचपन के दोस्त रहे, उनकी दोस्ती गहरी होती गई और प्यार में बदल गई। हर्षदीप कौर और मनकीत के साथ 20 मार्च 2015 में शादी की, दोनों का एक बेटा भी है, जिसका नाम हुनर सिंह है। हर्षदीपक कौर बचपन से ही गाने गाती थीं। वे सिंह ब्रदर्स के नाम से चर्चित तेजपाल सिंह से संगीत सीखती थीं। इसके बाद उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत और दिल्ली म्यूजिक थिएटर से शास्त्रीय संगीत भी सीखा। हर्षदीप कौर गाने गाते वक्त पगड़ी पहनना चाहती हैं। वे एक शो जुनून कुछ कर दिखाने का में सिर ढककर गाना चाहती थीं। उनके जीजा ने इस बात की सलाह दी और तब से वे पगड़ी पहनकर ही गाना गाती हैं। हर्षदीप कौर पंजाबी भाषा के अलावा हिंदी, पंजाबी, मलयालम, तमिल और उर्दू समेत कई भाषाओं पर गाना गाती हैं। वे कई बड़े संगीत निर्देशकों के साथ काम कर चुकी हैं। हर्षदीप कौर के गाने को ए आर रहमान का रचित गाना रहा। इस गाने को ऑस्कर पुरस्कार मिला। ये गाना डैनी बॉयल की फिल्म '127 ऑवर्स' का गाना था। हर्षदीप कौर अपनी कॉन्सर्ट के कारण जानी जाती हैं। वे ए आर रहमान के जय हो कॉन्सर्ट के लिए जानी जाती हैं। वहीं, रॉकस्टार कॉन्सर्ट के लिए भी चर्चा में रहीं। हर्षदीप कौर ने कई शानदार गाने गाए हैं। हर्षदीप को 'दिलबरो', 'हीर', 'इक ओंकार', 'जालिमा', 'नचदे ने सारे', 'बारी बरसी', 'कबीरा', 'जुगनी जी', 'ट्विस्ट कमरिया' जैसे गानों के लिए चर्चा में रहीं हैं। हर्षदीप कौर को कई सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका पुरस्कार मिले। उन्हें 'बानी-इश्क दा कलमा' के लिए भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार, राजी के लिए स्क्रीन अवॉर्ड, जी सिने अवॉर्ड और भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार मिला।

आयुष्मान खुराना का एक और धमाल, वाईआरएफ-पोशम पा के सहयोग की पहली फिल्म का बने हिस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आयुष्मान खुराना, यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स की सहयोग वाली पहली फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। इस पर आए अपडेट ने प्रशंसकों के

उत्साह को बढ़ा दिया है। भारत के टॉप प्रोडक्शन हाउस में से एक यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने हाल ही में 'पोशम पा पिक्चर्स' के साथ एक रचनात्मक सहयोग की घोषणा की। यह साझेदारी सिनेमा के लिए नवीन और व्यापक कंटेंट तैयार करेगी। अब, यह बताया गया है कि इस सहयोग की पहली थ्रिलर फिल्म में अभिनेता आयुष्मान खुराना अभिनय करेंगे। हालांकि, फिल्म का शीर्षक अभी तक तय नहीं हो सका है। फिल्म अपने प्री-प्रोडक्शन चरण में है और 2025 की पहली छमाही में फिल्मांकन शुरू हो जाएगा। प्रोजेक्ट से जुड़े अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, 'ऐसे प्रोजेक्ट का नेतृत्व करने के लिए आयुष्मान से बेहतर कोई विकल्प नहीं है, जिसका उद्देश्य दर्शकों को शुरुआत से ही बांधे रखना है। उन्होंने पहले भी इस जॉनर में सफलता देखी है, और जैसा कि सिनेमा के आधुनिक युग में कंटेंट का स्तर बढ़ रहा है, निर्माता दर्शकों के बीच अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।'आगामी थ्रिलर का निर्देशन समीर सक्सेना द्वारा किया जाएगा, जिन्होंने 'काला पानी' और 'मामला लीगल है' जैसी प्रशंसित फिल्में बनाई हैं। यह फिल्म सीईओ अक्षय विधानी के नेतृत्व में यशराज फिल्म्स के लिए एक नए रचनात्मक व्यवसाय मॉडल का भी प्रतीक है। एक निर्माता के रूप में, विधानी यशराज फिल्म्स के भीतर एक स्टूडियो मॉडल स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक

डा0 पुनीत अरोरा

मो0न0 09415608710

RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।